FORESIGHT

नाम	: SAMPLE_Cù
पुरुष / स्त्री	: पुरुष
जन्म स्थान : देश	: India
प्रांत / झेत्र	: /
शहर	: DELHI
जन्म दिनांक	: जनवरी १, २०००
जन्म दिन (कैलेन्डर / ज्योतिषीय)	: शनिवार / शुक्रवार
जन्म समय	: ५:०:० बजे
विक्रम संवत (चैत्रीय / कार्तिकीय)	: २०५६ / २०५६
बंगाली सन	: १४०६
कोलम वर्ष	: ११७५
फुलशी वर्ष	: 0
ऋतु	: शिशिर
चाँद्र मास (चैत्रीय)	: पौष
चाँद्र मास (कार्तिकीय)	: मार्गशीर्ष
चाँद्र मास (बंगाली सन)	: पौष
चाँद्र मास (कोलम वर्ष)	: धनु
चाँद्र मास (फुलशी वर्ष)	: —
पक्ष	: कृष्ण
तिथी (सूर्योदय समय / जन्म समय)	: ९ / १0
जन्म समय (घटी पल में)	: ५४—घटी २२—पल ४५—विपल
रेखांश / अक्षांश	: ७७:१३ पूर्व / २८:३९ उत्तर
क्षैत्रीय समय	: + ५:३0:0 बजे
स्थानिक समय संस्कार	: — 0:२१:८ बजे
युद्ध / ग्रीष्म समय संस्कार	: 0:0:0 बजे
स्थानिक जन्म समय	: ४:३८:५२ बजे
सूर्योदय / सूर्यास्त (स्टैन्डर्ड समय में)	: ७:१४:५४ बजे / १७:३५:१५ बजे
काल समीकरण	: — 0:१:१८ बजे
सांपातिक काल जन्म समय पर	: ११:१८:३९ बजे
अयनांश (जन्म समय पर)	: २३:५१:११ बजे

अवकडहा चक्र

लग्न	: वृश्चिक
लग्नेश	: मंगल
राशि / पाया	: तुला/लोहा
राशि स्वामी	: शुक्र
सूर्य राशि (पाश्चात्य ज्योतिषीय)	: मकर
नक्षत्र	: स्वाति
नक्षत्र स्वामी	: राहु
चरण	: २
नाम का प्रथम अक्षर	: रे
योग	: सुकर्मा
करण	: विष्ठि
गण	: देव
योनि	: महिष
नाडी	: अंत्य
वर्ण	: शूद्र
वश्य	: मानव
वर्ग	: मृग

घातक

चाँद्र मास	: माघ
तिथि	: ४—९—१४
दिन	: गुरुवार
नक्षत्र	: शतभिषा
योग	: शुक्ल
करण	: तैतिल
प्रहर	: ४
वर्ग	: सिंह
लग्न	: कन्या
सूर्य	: कन्या
चन्द्र	: धनु
मंगल	: तुला
बुध	: कर्क
गुरू	: वृश्चिक
शुक्र	: धनु
शनि	: सिंह
राहु	: मकर

निरयन ग्रह स्पष्ट

ग्रह	राशि	अंश	गति	गतिभेद	उच्च / नीच	अस्त	नक्षत्र	पद	राशि स्वामी	नक्षत्र स्वामी*	उपस्वामी
सूर्य	धनु	१५:५९:०५	०१:०१:१७	—	—	—	पूर्वाषाढा	१	गुरू	शुक्र	सूर्य
चन्द्रमा	तुला	१३:११:२६	१२:०७:१६	—	—	—	स्वाति	२	शुक्र	राहु	बुध
मंगल	कुंभ	०३:४२:२२	००:४६:३८	मार्गी	—	—	धनिष्ठा	४	शनि	मंगल	शुक्र
बुध	धनु	०७:१३:३३	०१:३३:२४	मार्गी	—	अस्त	मूल	३	गुरू	केतु	राहु
गुरू	मेष	०१:२३:१०	००:०२:२१	मार्गी	—	—	अश्विनी	१	मंगल	केतु	शुक्र
शुक्र	वृश्चिक	०७:०४:५३	०१:१२:३९	मार्गी	—	—	अनुराधा	२	मंगल	शनि	बुध
शनि	मेष	१६:३३:१९	००:०१:१५	वक्री	नीच	—	भरणी	१	मंगल	शुक्र	चन्द्रमा
राहु	कर्क	११:१३:०२	००:०३:११	—	—	—	पुष्य	३	चन्द्रमा	शनि	चन्द्रमा
केतु	मकर	११:१३:०२	००:०३:११	—	—	—	श्रवण	१	शनि	चन्द्रमा	मंगल
हर्षल	मकर	२०:५५:६०	००:०३:०१	मार्गी	—	—	श्रवण	४	शनि	चन्द्रमा	शुक्र
नेपच्यून	मकर	०९:१९:५७	००:०२:०८	मार्गी	—	—	उत्तराषाढा	४	शनि	सूर्य	शुक्र
प्लूटो	वृश्चिक	१७:२२:२०	००:०२:०७	मार्गी	—	—	ज्येष्ठा	१	मंगल	बुध	बुध
लग्न	वृश्चिक	१४:५५:४२	——	—	—	—	अनुराधा	४	मंगल	शनि	गुरू

	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	हर्षल	नेपच्यून	प्लूटो
विषुवांश	१८:४२:४८	१४:२५:४३	२२:००:३३	१८:०४:४६	०१:३५:२४	१५:५६:५६	०२:३५:०७	२१:०९:४९	२०:२१:४३	१६:४४:३४
क्रान्ति	−२३:०४:२२	−०८:५४:४६	−१३:१९:३१	−२४:२२:३६	०८:३५:११	−१८:१८:२२	१२:३७:०४	−१७:०१:३१	−१९:१२:४९	−११:१८:३७
शर	००:००:००	०५:१३:५९	−०१:०४:२७	−००:५६:३७	−०१:१५:४६	०२:०४:४९	−०२:२६:४९	−००:३९:३०	००:१४:०५	१०:५४:१४

तारा चक्र

जन्म	संपत	विपत	क्षेम	प्रत्यरि	साधक	वध	मित्र	अति मित्र
स्वाति	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढा	उत्तराषाढा	श्रवण	धनिष्ठा
शतभिषा	पूर्वाभाद्रपद	उत्तराभाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृतिका	रोहिणी	मृगशिर
आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	अश्लेषा	मधा	पूर्वाफाल्गुनी	उत्तराफाल्गुनी	हस्त	चित्रा

लग्न

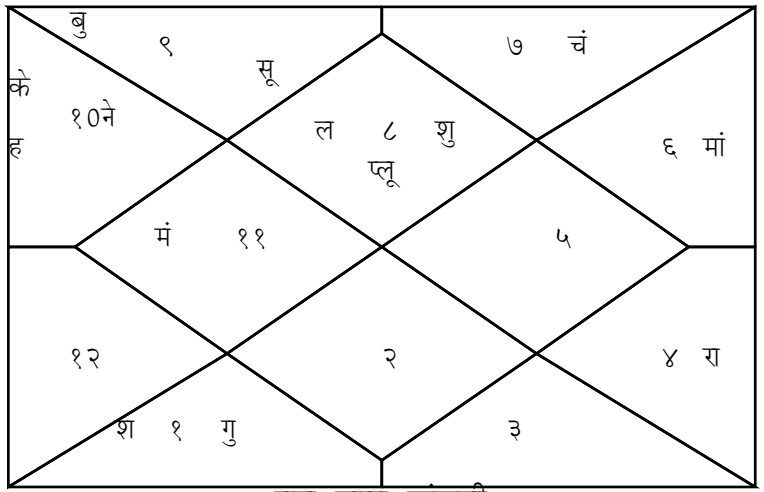

मूल जन्म कुंडली

नवमांश

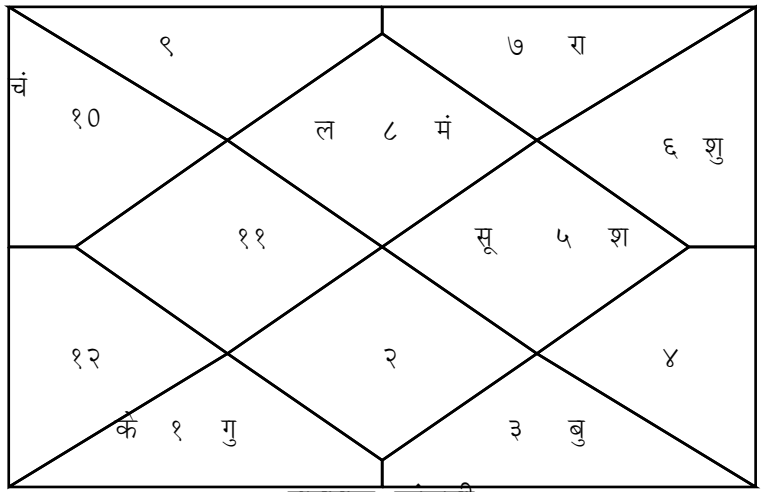

सहायक कुंडली

संधि स्पष्ट

संधि	राशि	अंश	नक्षत्र	राशि स्वामी	नक्षत्र स्वामी*	उपस्वामी
१	वृश्चिक	१४:५५:४१	अनुराधा	मंगल	शनि	गुरू
२	धनु	१५:५८:२३	पूर्वाषाढा	गुरू	शुक्र	सूर्य
३	मकर	२०:१३:०३	श्रवण	शनि	चन्द्रमा	केतु
४	कुंभ	२४:५४:१२	पूर्वाभाद्रपद	शनि	गुरू	बुध
५	मीन	२५:५४:४०	रेवती	गुरू	बुध	राहु
६	मेष	२२:०१:५१	भरणी	मंगल	शुक्र	शनि
७	वृषभ	१४:५५:४१	रोहिणी	शुक्र	चन्द्रमा	गुरू
८	मिथुन	१५:५८:२३	आर्द्रा	बुध	राहु	शुक्र
९	कर्क	२०:१३:०३	अश्लेषा	चन्द्रमा	बुध	शुक्र
१०	सिंह	२४:५४:१२	पूर्वाफाल्गुनी	सूर्य	शुक्र	बुध
११	कन्या	२५:५४:४०	चित्रा	बुध	मंगल	राहु
१२	तुला	२२:०१:५१	विशाखा	शुक्र	गुरू	शनि

द्वादश भाव स्पष्ट

भाव	आरम्भ	भाव	मध्य
वृश्चिक	०१:३५:२६	वृश्चिक	१४:५५:४१
धनु	०१:३५:२६	धनु	१८:१५:११
मकर	०४:५४:५७	मकर	२१:३४:४२
कुंभ	०८:१४:२७	कुंभ	२४:५४:१२
मीन	०८:१४:२७	मीन	२१:३४:४२
मेष	०४:५४:५७	मेष	१८:१५:११
वृषभ	०१:३५:२६	वृषभ	१४:५५:४१
मिथुन	०१:३५:२६	मिथुन	१८:१५:११
कर्क	०४:५४:५७	कर्क	२१:३४:४२
सिंह	०८:१४:२७	सिंह	२४:५४:१२
कन्या	०८:१४:२७	कन्या	२१:३४:४२
तुला	०४:५४:५७	तुला	१८:१५:११

संधि कुण्डली

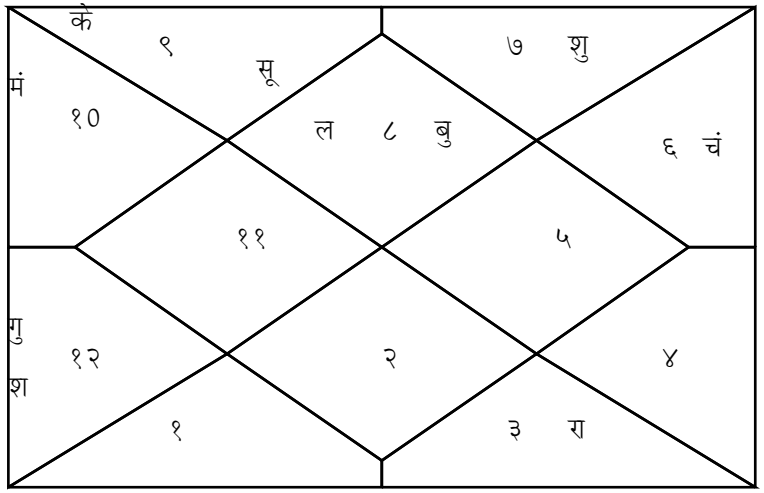

भाव चलित कुण्डली

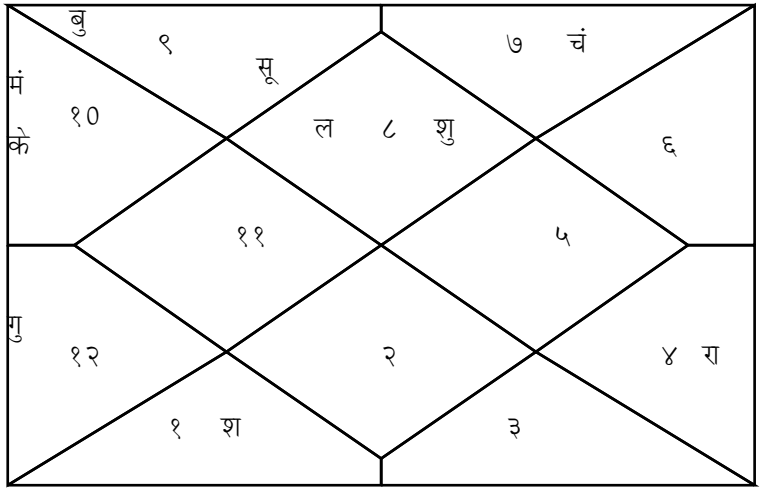

शुभ पाप वर्ग कोष्ठक

	सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	लग्न
शुभ वर्ग	५	३	१	३	0	४	४	५	५	३
पाप वर्ग	२	४	६	४	७	३	३	२	२	४
शुभ वर्ग	७	४	४	४	१	५	६	८	७	४
पाप वर्ग	३	६	६	६	९	५	४	२	३	६

ग्रहों की अवस्था

सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
युवा	युवा	बाल	कुमार	बाल	वृद्ध	युवा	वृद्ध	वृद्ध

चन्द्र राशि कुण्डली

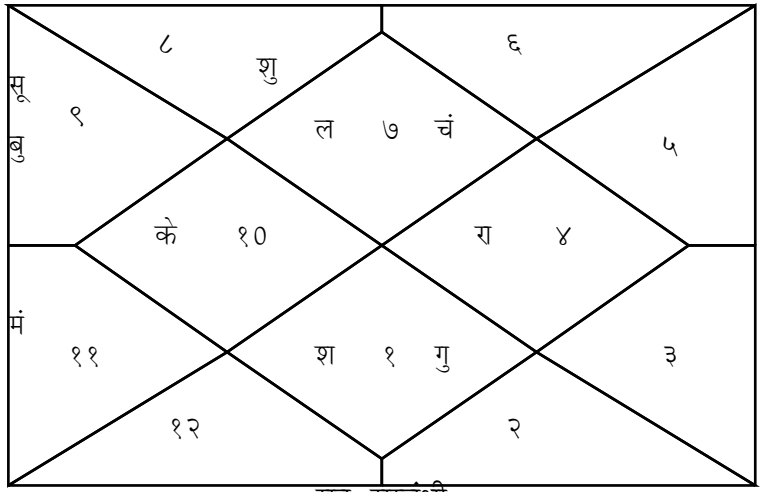

मन सम्बंधी

सूर्य राशि कुण्डली

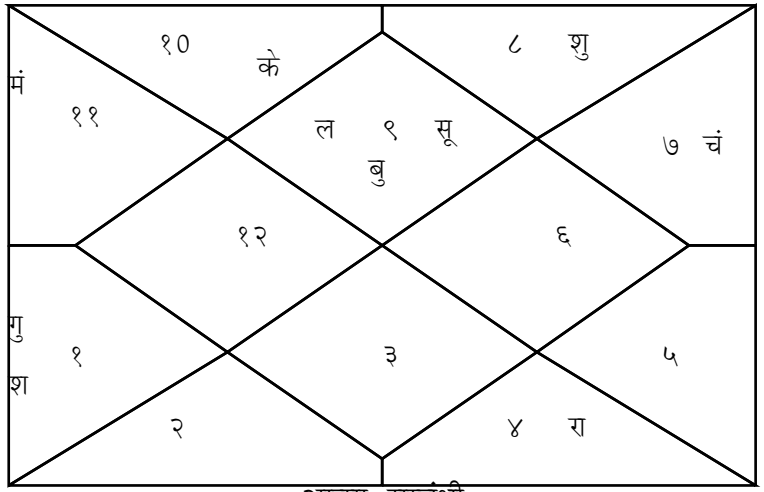

आत्मा सम्बंधी

होरा

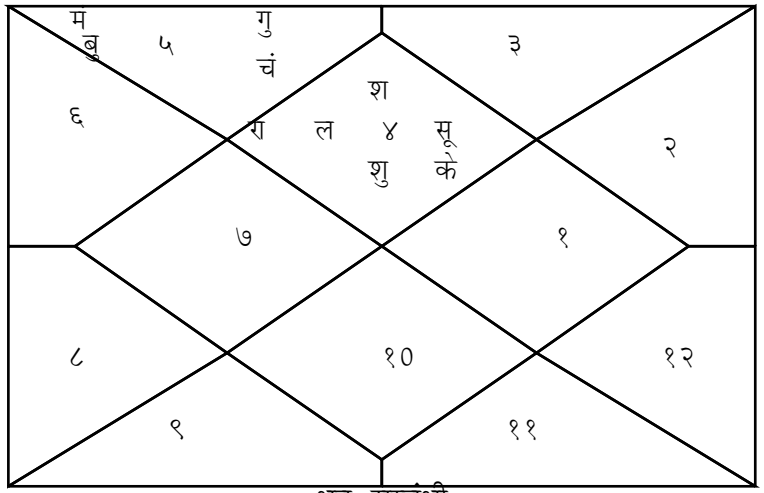

धन सम्बंधी

द्रेष्काण

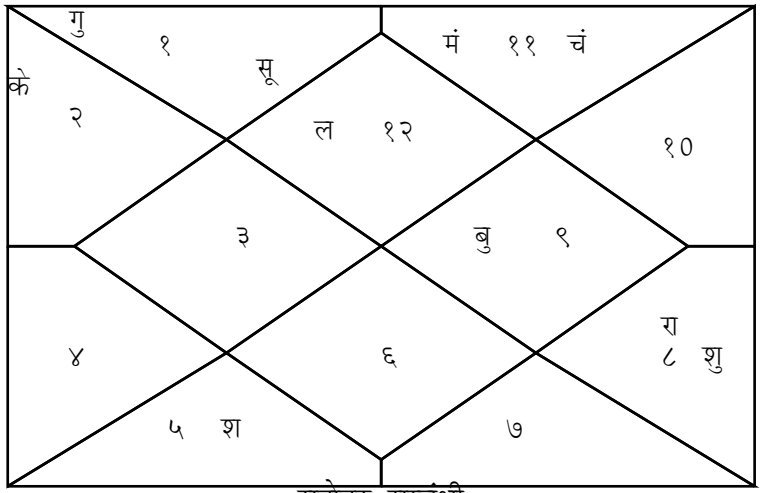

सहोदर सम्बंधी

चतुर्थांश

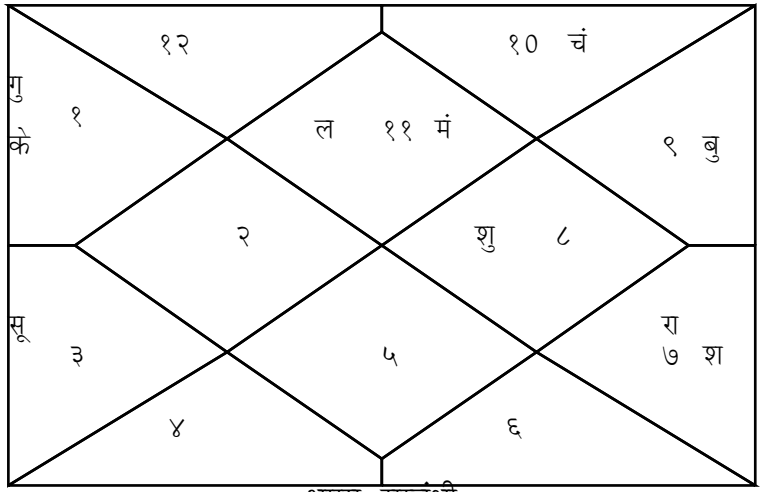

भाग्य सम्बंधी

सप्तमांश

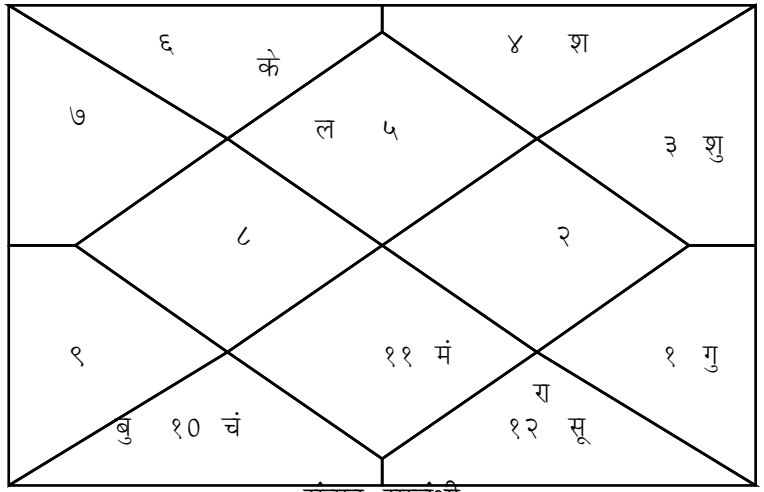

संतान सम्बंधी

दशमांश

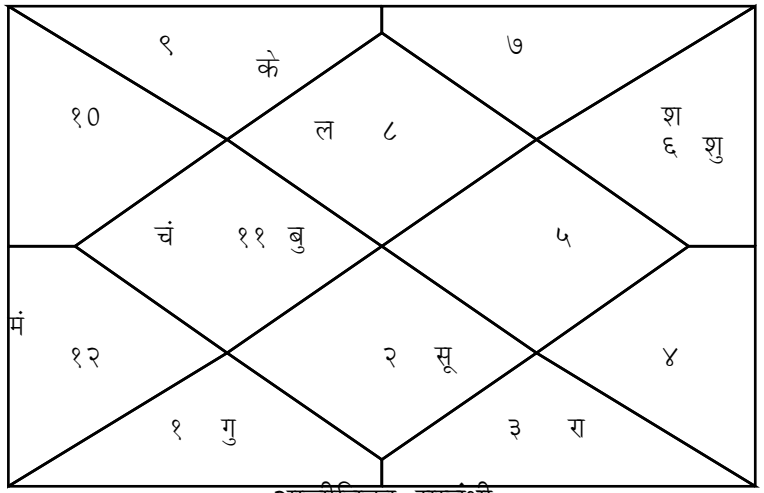

आजीविका सम्बंधी

द्वादशांश

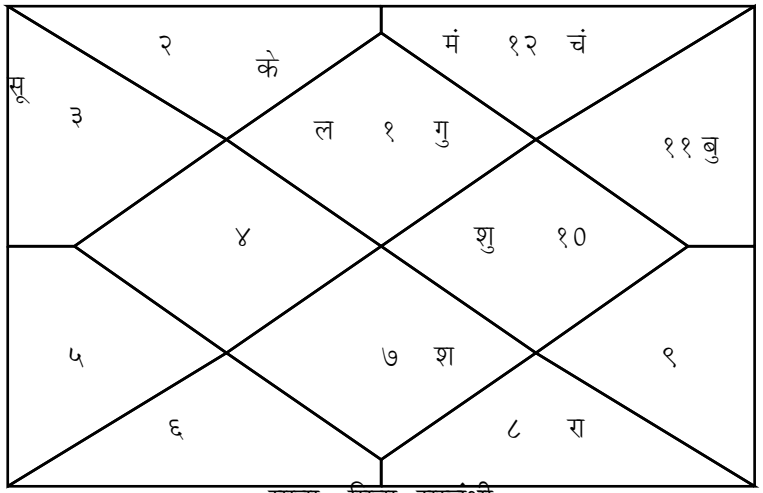

माता–पिता सम्बंधी

षोडशांश

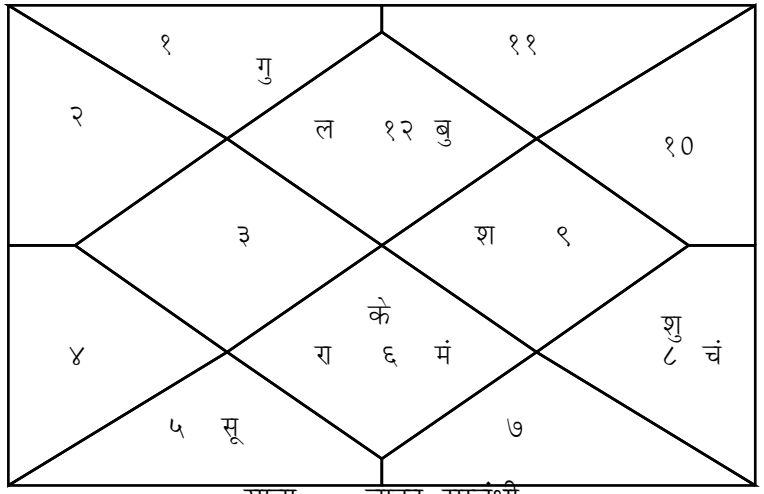

यात्रा – वाहन सम्बंधी

विशांश

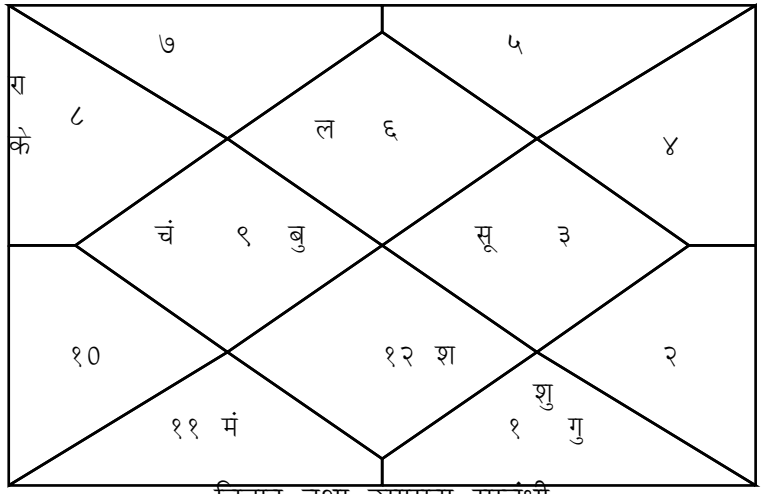

विज्ञान तथा उपासना सम्बंधी

चतुर्विंशांश

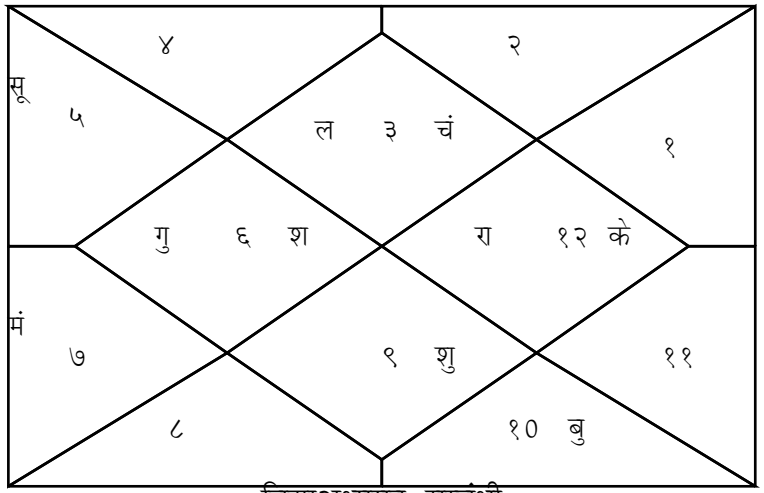

विद्याअध्ययन सम्बंधी

नक्षत्रांश

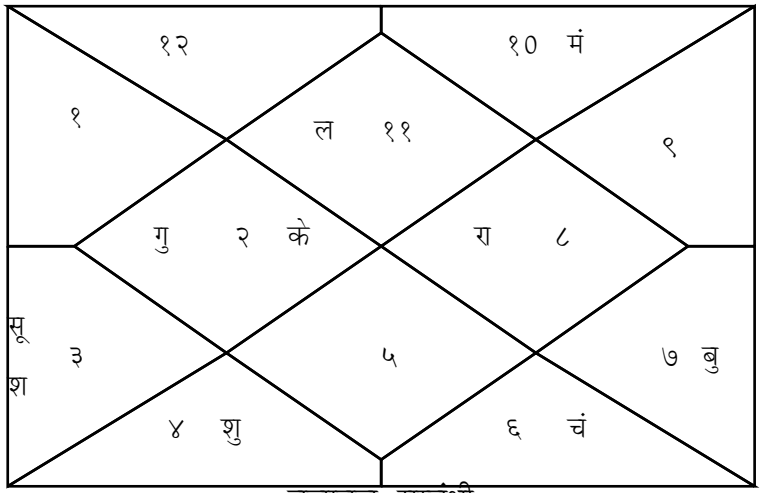

बलाबल सम्बंधी

त्रिशांश

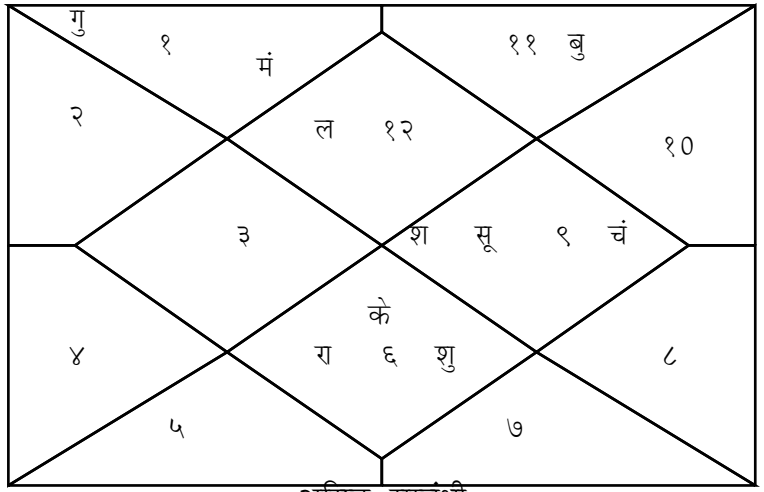

अरिष्ट सम्बंधी

खवेदांश

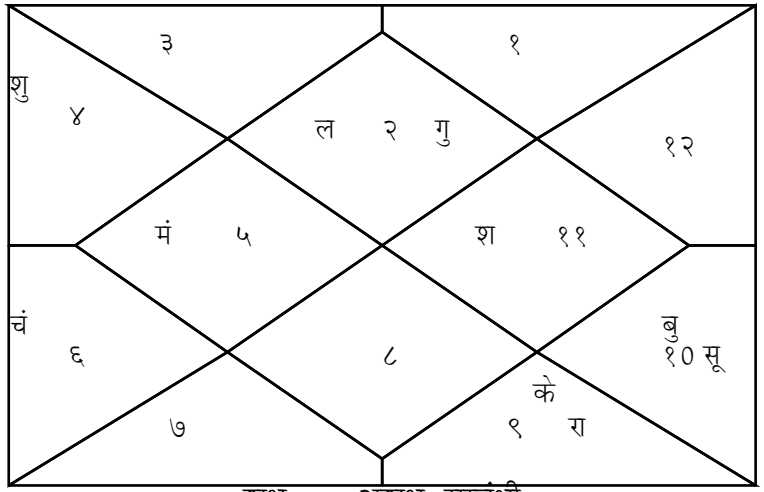

शुभ – अशुभ सम्बंधी

अक्षवेदांश

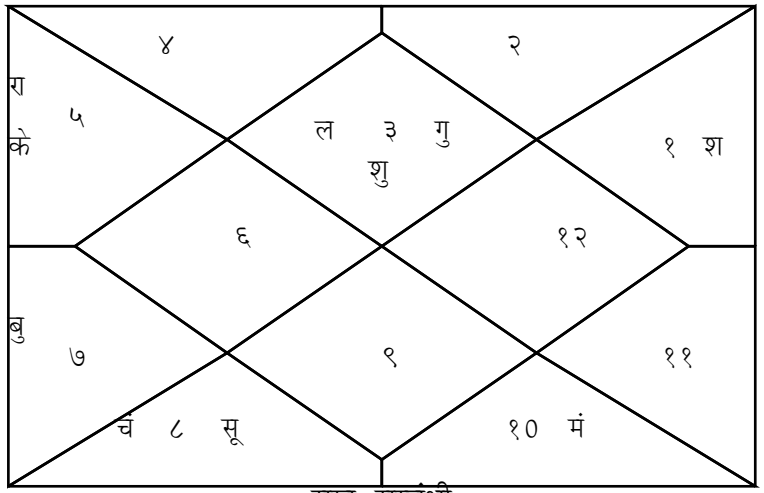

सुख सम्बंधी

षष्यंश

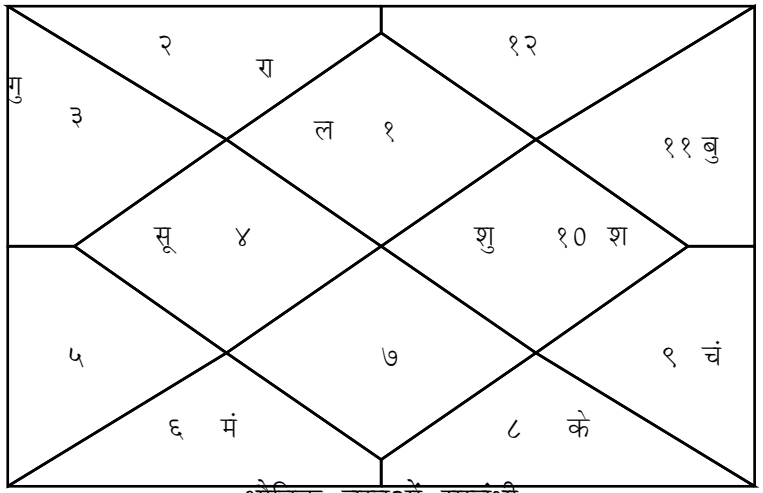

भौतिक वस्तुओं सम्बंधी

षोडश वर्ग तथा ग्रह बल

षोडश वर्ग

	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु	लग्न
लग्न	धनु	तुला	कुंभ	धनु	मेष	वृश्चिक	मेष	कर्क	मकर	वृश्चिक
होरा	कर्क	सिंह	सिंह	सिंह	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क
द्रेष्काण	मेष	कुंभ	कुंभ	धनु	मेष	वृश्चिक	सिंह	वृश्चिक	वृषभ	मीन
चतुर्थांशं	मिथुन	मकर	कुंभ	धनु	मेष	वृश्चिक	तुला	तुला	मेष	कुंभ
सप्तमांश	मीन	मकर	कुंभ	मकर	मेष	मिथुन	कर्क	मीन	कन्या	सिंह
नवमांश	सिंह	मकर	वृश्चिक	मिथुन	मेष	कन्या	सिंह	तुला	मेष	वृश्चिक
दशमांश	वृषभ	कुंभ	मीन	कुंभ	मेष	कन्या	कन्या	मिथुन	धनु	वृश्चिक
द्वादशांश	मिथुन	मीन	मीन	कुंभ	मेष	मकर	तुला	वृश्चिक	वृषभ	मेष
षोडशांश	सिंह	वृश्चिक	कन्या	मीन	मेष	वृश्चिक	धनु	कन्या	कन्या	मीन
विशांश	मिथुन	धनु	कुंभ	धनु	मेष	मेष	मीन	वृश्चिक	वृश्चिक	कन्या
चतुर्विंशांश	सिंह	मिथुन	तुला	मकर	कन्या	धनु	कन्या	मीन	मीन	मिथुन
नक्षत्रांश	मिथुन	कन्या	मकर	तुला	वृषभ	कर्क	मिथुन	वृश्चिक	वृषभ	कुंभ
त्रिशांश	धनु	धनु	मेष	कुंभ	मेष	कन्या	धनु	कन्या	कन्या	मीन
खवेदांश	मकर	कन्या	सिंह	मकर	वृषभ	कर्क	कुंभ	धनु	धनु	वृषभ
अक्षवेदांश	वृश्चिक	वृश्चिक	मकर	तुला	मिथुन	मिथुन	मेष	सिंह	सिंह	मिथुन
षष्यंश	कर्क	धनु	कन्या	कुंभ	मिथुन	मकर	मकर	वृषभ	वृश्चिक	मेष

वर्ग भेद

	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
षडवर्ग	किंशुक	––	किंशुक	––	––	––	––	––	––
	(२)	(0)	(२)	(१)	(0)	(0)	(१)	(१)	(0)
सप्तवर्ग	किंशुक	––	किंशुक	––	––	––	––	––	––
	(२)	(0)	(२)	(१)	(0)	(0)	(१)	(१)	(0)
दशवर्ग	उत्तम	––	पारिजात	––	––	––	पारिजात	उत्तम	––
	(३)	(0)	(२)	(१)	(0)	(0)	(२)	(३)	(१)
षोडषवर्ग	नागपुष्प	––	नागपुष्प	––	––	––	नागपुष्प	कुसुम	कुसुम
	(४)	(0)	(४)	(१)	(0)	(0)	(४)	(३)	(३)

विंशोपक बल

	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
षडवर्ग	१४०६	१००५	१७०१	१००५५	१७०२	१४०९	७०१	८०३५	१७०0५
सप्तवर्ग	१३०९५	१००१	१६०९८	१००२२	१७०२	१५०२	६०८५	९०६	१६०६८
दशवर्ग	१४०४८	९०0३	१४०८	८०२	१४०१५	१३०९	१0०५५	९०१८	१६०५
षोडषवर्ग	१४०९२	९०७८	१४०८७	९०६५	१३०७	१४०0	१0०३५	९०३२	१६०६५

उपग्रह आरुढ़ पद ग्रह अवस्था

उपग्रह	संकेत	राशि	अंश	उच्च / नीच	स्ववर्ग	नक्षत्र	संख्या	पद	राशि स्वामी	नक्षत्र स्वामी*
गुलिक	गुलिक	क	१६:२८:२३	—	——	हस्त	१३	२	बुध	चन्द्रमा
काल	काल	तु	०८:५१:१९	—	——	स्वाति	१५	१	शुक्र	राहु
मृत्यु	मृत्यु	वृ	२२:४९:११	—	स्ववर्ग	ज्येष्ठा	१८	२	मंगल	बुध
यमघंटक	यमघंटक	सिं	०१:३१:१२	—	——	मधा	१०	१	सूर्य	केतु
अर्द्धप्रहर	अर्द्धप्रहर	कर्क	०९:३५:५७	—	——	पुष्य	८	२	चन्द्रमा	शनि
धूम	धूम	मे	२९:१९:०५	—	——	कृतिका	३	१	मंगल	सूर्य
व्यतीपात	व्यतीपात	मि	२२:३९:०५	—	स्ववर्ग	पुनर्वसु	७	१	बुध	गुरू
परिवेष	परिवेष	ध	२२:३९:०५	नीच	स्ववर्ग	पूर्वाषाढा	२०	३	गुरू	शुक्र
इन्द्रचाप	इन्द्रचाप	तु	२९:१९:०५	—	——	विशाखा	१६	३	शुक्र	गुरू
उपकेतु	उपकेतु	वृ	१५:५९:०५	—	——	अनुराधा	१७	४	मंगल	शनि
लग्न	ल	८	१४:५५:४२	—	——	१७	१७	४	३	७

	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
स्थिर कारक	पितृ	मातृ	भ्रातृ	ज्ञाति	धन	कलत्र	आयुष	ज्ञान	मोक्ष
चर कारक	भ्रातृ	मातृ	ज्ञाति	पितृ	कलत्र	पुत्र	अमात्य	आत्म	——
अवस्था	नृतलिप्स	आगमन	निद्रा	आगमन	कौटुक	निद्रा	प्रकाशन	नृतलिप्स	आगमन
किरण	३०६७	१०१९	५०८१	०००	४०४८	२०१४	००१	कुलः	१७०३९

लग्नारुढ	धन	विक्रम	मातृ	पुत्र	रोग	दारा	आयु	भाग्य	कर्म	लाभ	व्यय
ल	धन	वि	मा	पु	रो	दा	आ	भा	कर्म	ला	व्य

कारकांश लग्नः तुला

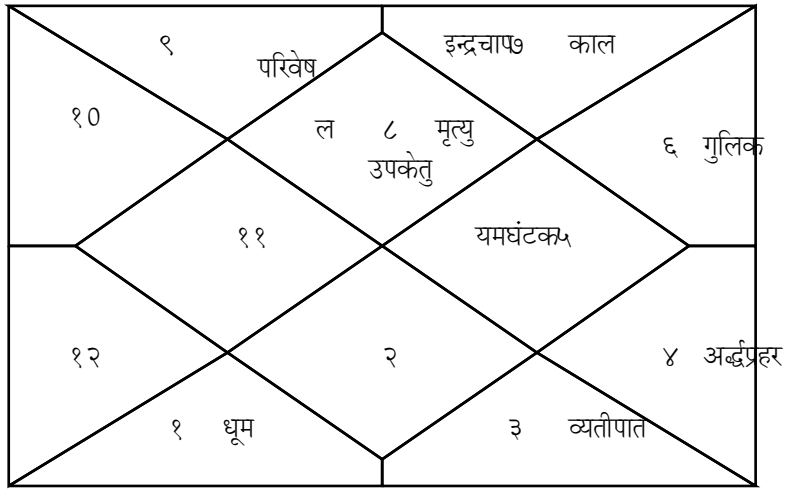

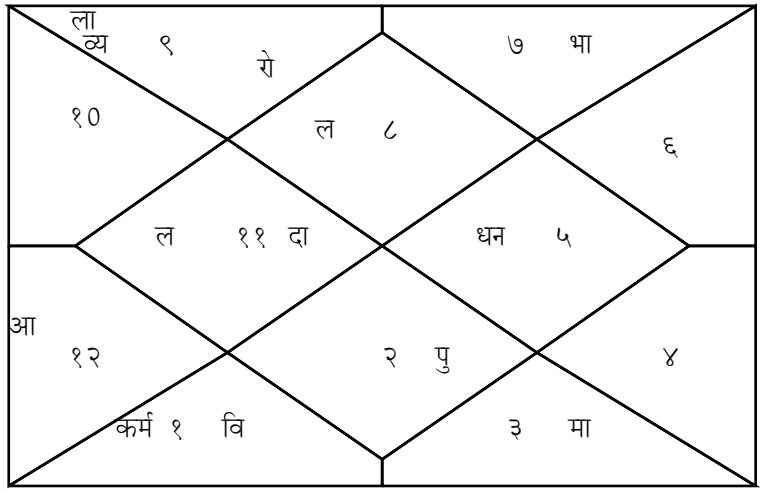

ग्रह सम्बंध षड बल भाव बल

स्थिर सम्बंध

	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
सूर्य	––	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु
चन्द्रमा	मित्र	––	सम	मित्र	सम	सम	सम
मंगल	मित्र	मित्र	––	शत्रु	मित्र	सम	सम
बुध	मित्र	शत्रु	सम	––	सम	मित्र	सम
गुरू	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	––	शत्रु	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	––	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	––

पंचधा मैत्री

	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
सूर्य	––	अतिमित्र	अतिमित्र	शत्रु	सम	सम	अतिशत्रु
चन्द्रमा	अतिमित्र	––	शत्रु	अतिमित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
मंगल	अतिमित्र	सम	––	सम	अतिमित्र	मित्र	मित्र
बुध	सम	सम	मित्र	––	शत्रु	अतिमित्र	शत्रु
गुरू	सम	सम	अतिमित्र	अतिशत्रु	––	अतिशत्रु	शत्रु
शुक्र	सम	सम	मित्र	अतिमित्र	शत्रु	––	सम
शनि	अतिशत्रु	अतिशत्रु	सम	सम	शत्रु	सम	––

षड बल

	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
स्थानबल	२०८	२०३	४०४७	२०२३	४०६	३०१	२०२१
दिग्बल	००३८	००२७	००१२	००८८	००२४	००४	००८४
कालबल	१०५६	२०७१	१०५	२०९	२०४५	२०८	२०१९
चेष्टाबल	००००	००००	००३४	०००७	००६२	००४३	००६९
नैसर्गिकबल	१००	००८६	००२९	००४३	००५७	००७१	००१४
दृकबल	०००४	−००१	−००२७	०००४	−००४७	−०००८	−००४८
कुल	५०७८	६००४	६०४५	६०५५	८००१	७०३६	५०५९

भाव बल

	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
भावाधीपति बल	६०४५	८००१	५०५९	५०५९	८००१	६०४५	७०३६	६०५५	६००४	५०७८	६०५५	७०३६
भाव दिग्बल	००००	०००३३	०००८३	०००५	०००८३	०००३३	०००५	०००१७	०००१७	१००	०००६७	०००८३
भाव दृष्टिबल	०००४	०००६८	−०००९	०००५२	०००४१	−०००६	०००१९	०००९२	०००७६	०००५८	०००५	०००५२
कुल	६०८५	९००२	६०३३	६०६१	९०२५	६०७२	८००५	७०६४	६०९७	७०३६	७०७२	८०७१

इष्ट तथा कष्ट फल

	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
इष्ट	८०४९	११०७६	३४०२४	११०८३	३२०६	१८०५९	६०८९
कष्ट	४६०४३	४५०६७	८०७	३९०७	२६०८५	३९०९१	३३०१२

प्रस्तारअष्टकवर्ग : सूर्य

	ध	म	कु	मी	मे	वृष	मि	कर्क	सिं	क	तु	वृ	कुल
सू	0	0		0			0	0	0	0	0		८
चं	0			0				0	0				४
मं	0		0	0		0			0	0	0	0	८
बु			0		0	0			0	0	0	0	७
गु	0		0						0	0			४
शु					0	0					0		३
श	0	0	0		0	0		0			0	0	८
लग्न		0	0		0				0	0	0		६
कुल	५	३	५	३	४	४	१	३	६	५	६	३	४८

प्रस्तारअष्टकवर्ग : चन्द्रमा

	तु	वृ	ध	म	कु	मी	मे	वृष	मि	कर्क	सिं	क	कुल
सू	0				0			0	0	0		0	६
चं	0		0			0	0			0	0		६
मं	0	0	0			0	0		0	0			७
बु	0		0		0	0	0		0	0		0	८
गु	0	0		0	0	0	0			0			७
शु				0	0	0		0		0	0	0	७
श					0				0		0	0	४
लग्न				0			0				0	0	४
कुल	५	२	३	३	५	५	५	२	४	६	४	५	४९

प्रस्तारअष्टकवर्ग : मंगल

	कु	मी	मे	वृष	मि	कर्क	सिं	क	तु	वृ	ध	म	कुल
सू	0		0	0				0	0				५
चं		0					0				0		३
मं	0	0		0			0	0		0	0		७
बु	0		0	0					0				४
गु	0	0						0				0	४
शु			0		0			0	0				४
श	0		0			0			0	0	0	0	७
लग्न			0				0	0		0		0	५
कुल	५	३	५	३	१	१	३	५	४	३	३	३	३९

प्रस्तारअष्टकवर्ग : बुध

	ध	म	कु	मी	मे	वृष	मि	कर्क	सिं	क	तु	वृ	कुल
सू					0	0			0		0	0	५
चं		0		0		0		0	0			0	६
मं	0		0	0		0			0	0	0	0	८
बु	0		0		0	0			0	0	0	0	८
गु			0	0						0		0	४
शु	0	0	0	0			0	0		0		0	८
श	0	0	0		0	0		0			0	0	८
लग्न	0		0		0		0	0				0	७
कुल	५	३	६	४	४	५	२	३	५	५	४	८	५४

प्रस्तारअष्टकवर्ग : गुरू

	मे	वृष	मि	कर्क	सिं	क	तु	वृ	ध	म	कु	मी	कुल
सू			0	0	0	0	0		0	0	0	0	९
चं	0		0		0			0			0		५
मं		0			0	0		0	0		0	0	७
बु	0	0			0	0	0		0	0		0	८
गु	0	0	0	0			0	0		0	0		८
शु	0			0	0	0			0			0	६
श			0		0	0						0	४
लग्न	0	0		0	0	0		0	0		0	0	९
कुल	५	४	४	४	७	६	३	४	५	३	५	६	५६

प्रस्तारअष्टकवर्ग : शुक्र

	वृ	ध	म	कु	मी	मे	वृष	मि	कर्क	सिं	क	तु	कुल
सू	0								0			0	३
चं	0	0	0	0			0	0		0	0	0	९
मं		0	0			0		0	0			0	६
बु				0		0	0			0		0	५
गु	0	0	0	0						0			५
शु	0	0	0	0	0			0	0	0	0		९
श	0	0	0	0				0	0	0			७
लग्न	0	0	0	0	0			0	0		0		८
कुल	६	६	६	६	२	२	२	५	५	५	३	४	५२

प्रस्तारअष्टकवर्ग : शनि

	मे	वृष	मि	कर्क	सिं	क	तु	वृ	ध	म	कु	मी	कुल
सू			0	0		0	0		0	0		0	७
चं					0				0			0	३
मं	0		0	0				0	0	0			६
बु		0		0	0	0	0	0					६
गु					0	0					0	0	४
शु	0					0	0						३
श			0		0	0					0		४
लग्न	0				0	0		0		0	0		६
कुल	३	१	३	३	५	६	३	३	३	३	३	३	३९

अष्टक वर्ग कोष्ठक

भिन्नाष्टक वर्ग

	मे	वृष	मि	कर्क	सिं	क	तु	वृ	ध	म	कु	मी
सू	४	४	१	३	६	५	६	३	५	३	५	३
चं	५	२	४	६	४	५	५	२	३	३	५	५
मं	५	३	१	१	३	५	४	३	३	३	५	३
बु	४	५	२	३	५	५	४	८	५	३	६	४
गु	५	४	४	४	७	६	३	४	५	३	५	६
शु	२	२	५	५	५	३	४	६	६	६	६	२
श	३	१	३	३	५	६	३	३	३	३	३	३

भिन्नाष्टक वर्ग शोधन पश्चात

	मे	वृष	मि	कर्क	सिं	क	तु	वृ	ध	म	कु	मी
सू	0	0	0	0	२	२	५	0	१	0	४	0
चं	२	0	0	४	१	३	१	0	0	0	१	३
मं	२	0	0	0	0	२	३	२	0	0	४	२
बु	0	0	0	0	१	२	२	५	१	0	४	0
गु	0	१	१	0	२	१	0	0	0	0	२	२
शु	0	0	0	३	३	0	0	४	४	२	२	0
श	0	0	0	0	२	५	0	0	0	२	0	0

सर्वाष्टक वर्ग

	मे	वृष	मि	कर्क	सिं	क	तु	वृ	ध	म	कु	मी
कुल बिन्दु	२८	२१	२०	२५	३५	३५	२९	२९	३०	२४	३५	२६
कुल रेखाएं	२८	३५	३६	३१	२१	२१	२७	२७	२६	३२	२१	३०

सर्वाष्टक वर्ग शोधन पश्चात

	मे	वृष	मि	कर्क	सिं	क	तु	वृ	ध	म	कु	मी
कुल बिन्दु	0	९	३	0	७	३	0	४	२	0	६	0
कुल रेखाएं	२	0	0	४	७	१	३	0	0	0	९	३

पिण्ड

	सू	चं	मं	बु	गु	शु	श
ग्रह पिण्ड	६७	४३	९१	८७	१६	८४	0
राशि पिण्ड	११८	१०९	१२९	१२७	८९	१४२	५५
शोध्य पिण्ड	१८५	१५२	२२०	२१४	१०५	२२६	५५

१) बिंदु शुभ का द्योतक है और रेखा अशुभ की द्योतक है।

२) किसी भी ग्रह द्वारा दिए गए अधिकतम बिंदु आठ होते हैं। एक राशिमें बिंदुओं और रेखाओं की संख्या अधिकतम ५६ होती है। एक कुंडली में बिंदुओं की कुल संख्या सदैव ३३७ होती है।

३) किसी भी ग्रह द्वारा दिए गए बिंदु राशि में उसकी स्थिति पर आधारित होते हैं।

विंशोतरी दशा

भोग्य दशा जन्म समय पर: राहु ९ वर्ष २ मास ९ दिन

ग्रहों की महादशा तथा अंतर्दशा

रा–१८ वर्ष		गु–१६ वर्ष		श–१९ वर्ष		बु–१७ वर्ष		के–७ वर्ष	
०१/०१/२०००		११/०३/२००९		११/०३/२०२५		११/०३/२०४४		११/०३/२०६१	
११/०३/२००९		११/०३/२०२५		११/०३/२०४४		११/०३/२०६१		११/०३/२०६८	
रा	००/००/००	गु	११/०३/०९	श	११/०३/२५	बु	११/०३/४४	के	११/०३/६१
गु	००/००/००	श	२९/०४/११	बु	१४/०३/२८	के	०७/०८/४६	शु	०७/०८/६१
श	००/००/००	बु	१०/११/१३	के	२२/११/३०	शु	०५/०८/४७	सू	०७/१०/६२
बु	०१/०१/००	के	१६/०२/१६	शु	०१/०१/३२	सू	०४/०६/५०	चं	१२/०२/६३
के	१०/०९/०१	शु	२२/०१/१७	सू	०२/०३/३५	चं	११/०४/५१	मं	१३/०९/६३
शु	२८/०९/०२	सू	२२/०९/१९	चं	१२/०२/३६	मं	०९/०९/५२	रा	०९/०२/६४
सू	२८/०९/०५	चं	११/०७/२०	मं	१३/०९/३७	रा	०७/०९/५३	गु	२७/०२/६५
चं	२३/०८/०६	मं	१०/११/२१	रा	२३/१०/३८	गु	२६/०३/५६	श	०३/०२/६६
मं	२२/०२/०८	रा	१७/१०/२२	गु	२८/०८/४१	श	०२/०७/५८	बु	१४/०३/६७

शु–२० वर्ष		सू–६ वर्ष		चं–१० वर्ष		मं–७ वर्ष		रा–१८ वर्ष	
११/०३/२०६८		१०/०३/२०८८		११/०३/२०९४		११/०३/२१०४		१३/०३/२१११	
१०/०३/२०८८		११/०३/२०९४		११/०३/२१०४		१३/०३/२१११		०२/०१/२१२०	
शु	११/०३/६८	सू	१०/०३/८८	चं	११/०३/९४	मं	११/०३/०४	रा	१३/०३/११
सू	११/०७/७१	चं	२८/०६/८८	मं	०९/०१/९५	रा	०७/०८/०४	गु	२३/११/१३
चं	१०/०७/७२	मं	२८/१२/८८	रा	१०/०८/९५	गु	२७/०८/०५	श	१८/०४/१६
मं	११/०३/७४	रा	०४/०५/८९	गु	०८/०२/९७	श	०३/०८/०६	बु	०२/०१/२०
रा	११/०५/७५	गु	२९/०३/९०	श	१०/०६/९८	बु	१२/०९/०७	के	००/००/००
गु	११/०५/७८	श	१५/०१/९१	बु	१०/०१/००	के	०८/०९/०८	शु	००/००/००
श	०९/०१/८१	बु	२८/१२/९१	के	११/०६/०१	शु	०४/०२/०९	सू	००/००/००
बु	१०/०३/८४	के	०३/११/९२	शु	१०/०१/०२	सू	०६/०४/१०	चं	००/००/००
के	०९/०१/८७	शु	११/०३/९३	सू	११/०९/०३	चं	१२/०८/१०	मं	००/००/००

रा–बु		रा–के		रा–शु		रा–सू		रा–चं		रा–मं		गु–गु		गु–श		गु–बु	
०१/०१/२०००		१०/०९/२००१		२८/०९/२००२		२८/०९/२००५		२३/०८/२००६		२२/०२/२००८		११/०३/२००९		२९/०४/२०११		१०/११/२०१३	
१०/०९/२००१		२८/०९/२००२		२८/०९/२००५		२३/०८/२००६		२२/०२/२००८		११/०३/२००९		२९/०४/२०११		१०/११/२०१३		१६/०२/२०१६	
बु	००/००/००	के	१०/०९/०१	शु	२८/०९/०२	सू	२८/०९/०५	चं	२३/०८/०६	मं	२२/०२/०८	गु	११/०३/०९	श	२९/०४/११	बु	१०/११/१३
के	००/००/००	शु	०२/१०/०१	सू	३०/०३/०३	चं	१५/१०/०५	मं	०८/१०/०६	रा	१५/०३/०८	श	२३/०६/०९	बु	२३/०९/११	के	०७/०३/१४
शु	०१/०१/००	सू	०५/१२/०१	चं	२४/०५/०३	मं	११/११/०५	रा	०९/११/०६	गु	१२/०५/०८	बु	२५/१०/०९	के	०१/०२/१२	शु	२४/०४/१४
सू	२९/०१/००	चं	२४/१२/०१	मं	२३/०८/०३	रा	३०/११/०५	गु	३०/०१/०७	श	०२/०७/०८	के	१२/०२/१०	शु	२६/०३/१२	सू	०९/०९/१४
चं	१६/०३/००	मं	२५/०१/०२	रा	२६/१०/०३	गु	१८/०१/०६	श	१३/०४/०७	बु	०१/०९/०८	शु	२९/०३/१०	सू	२७/०८/१२	चं	२१/१०/१४
मं	०१/०६/००	रा	१७/०२/०२	गु	०७/०४/०४	श	०३/०३/०६	बु	०८/०७/०७	के	२५/१०/०८	सू	०६/०८/१०	चं	१२/१०/१२	मं	२९/१२/१४
रा	२६/०७/००	गु	१५/०४/०२	श	०१/०९/०४	बु	२४/०४/०६	के	२४/०९/०७	शु	१६/११/०८	चं	१४/०९/१०	मं	२९/१२/१२	रा	१५/०२/१५
गु	१२/१२/००	श	०५/०६/०२	बु	२१/०२/०५	के	१०/०६/०६	शु	२६/१०/०७	सू	१९/०१/०९	मं	१८/११/१०	रा	२१/०२/१३	गु	१९/०६/१५
श	१५/०४/०१	बु	०५/०८/०२	के	२६/०७/०५	शु	२९/०६/०६	सू	२५/०१/०८	चं	०७/०२/०९	रा	०३/०१/११	गु	०९/०७/१३	श	०८/१०/१५

गु–के		गु–शु		गु–सू		गु–चं		गु–मं		गु–रा		श–श		श–बु		श–के	
१६/०२/२०१६		२२/०१/२०१७		२२/०९/२०१९		११/०७/२०२०		१०/११/२०२१		१७/१०/२०२२		११/०३/२०२५		१४/०३/२०२८		२२/११/२०३०	
२२/०१/२०१७		२२/०९/२०१९		११/०७/२०२०		१०/११/२०२१		१७/१०/२०२२		११/०३/२०२५		१४/०३/२०२८		२२/११/२०३०		०१/०१/२०३२	
के	१६/०२/१६	शु	२२/०१/१७	सू	२२/०९/१९	चं	११/०७/२०	मं	१०/११/२१	रा	१७/१०/२२	श	११/०३/२५	बु	१४/०३/२८	के	२२/११/३०
शु	०६/०३/१६	सू	०३/०७/१७	चं	०७/१०/१९	मं	२०/०८/२०	रा	३०/११/२१	गु	२५/०२/२३	बु	०१/०९/२५	के	३१/०७/२८	शु	१६/१२/३०
सू	०२/०५/१६	चं	२१/०८/१७	मं	३१/१०/१९	रा	१८/०९/२०	गु	२०/०१/२२	श	२२/०६/२३	के	०४/०२/२६	शु	२७/०९/२८	सू	२१/०२/३१
चं	१९/०५/१६	मं	१०/११/१७	रा	१७/११/१९	गु	३०/११/२०	श	०६/०३/२२	बु	०८/११/२३	शु	०९/०४/२६	सू	०९/०३/२९	चं	१३/०३/३१
मं	१७/०६/१६	रा	०६/०१/१८	गु	३१/१२/१९	श	०३/०२/२१	बु	२९/०४/२२	के	११/०३/२४	सू	०९/१०/२६	चं	२८/०४/२९	मं	१६/०४/३१
रा	०७/०७/१६	गु	०१/०६/१८	श	०८/०२/२०	बु	२१/०४/२१	के	१६/०६/२२	शु	०१/०५/२४	चं	०३/१२/२६	मं	१८/०७/२९	रा	१०/०५/३१
गु	२७/०८/१६	श	०८/१०/१८	बु	२६/०३/२०	के	२९/०६/२१	शु	०६/०७/२२	सू	२४/०९/२४	मं	०५/०३/२७	रा	१४/०९/२९	गु	०९/०७/३१
श	११/१०/१६	बु	१२/०३/१९	के	०६/०५/२०	शु	२७/०७/२१	सू	०१/०९/२२	चं	०७/११/२४	रा	०८/०५/२७	गु	०८/०२/३०	श	०१/०९/३१
बु	०४/१२/१६	के	२८/०७/१९	शु	२३/०५/२०	सू	१६/१०/२१	चं	१८/०९/२२	मं	१९/०१/२५	गु	१९/१०/२७	श	१९/०६/३०	बु	०४/११/३१

श–शु		श–सू		श–चं		श–मं		श–रा		श–गु		बु–बु		बु–के		बु–शु	
०१/०१/२०३२		०२/०३/२०३५		१२/०२/२०३६		१३/०९/२०३७		२३/१०/२०३८		२८/०८/२०४१		११/०३/२०४४		०७/०८/२०४६		०५/०८/२०४७	
०२/०३/२०३५		१२/०२/२०३६		१३/०९/२०३७		२३/१०/२०३८		२८/०८/२०४१		११/०३/२०४४		०७/०८/२०४६		०५/०८/२०४७		०४/०६/२०५०	
शु	०१/०१/३२	सू	०२/०३/३५	चं	१२/०२/३६	मं	१३/०९/३७	रा	२३/१०/३८	गु	२८/०८/४१	बु	११/०३/४४	के	०७/०८/४६	शु	०५/०८/४७
सू	१२/०७/३२	चं	२०/०३/३५	मं	०१/०४/३६	रा	०६/१०/३७	गु	२८/०३/३९	श	३०/१२/४१	के	१३/०७/४४	शु	२९/०८/४६	सू	२४/०१/४८
चं	०७/०९/३२	मं	१८/०४/३५	रा	०४/०५/३६	गु	०६/१२/३७	श	१३/०८/३९	बु	२५/०५/४२	शु	०३/०९/४४	सू	२८/१०/४६	चं	१६/०३/४८
मं	१३/१२/३२	रा	०८/०५/३५	गु	३०/०७/३६	श	२९/०१/३८	बु	२५/०१/४०	के	०३/१०/४२	सू	२७/०१/४५	चं	१५/११/४६	मं	१०/०६/४८
रा	१८/०२/३३	गु	२९/०६/३५	श	१५/१०/३६	बु	०३/०४/३८	के	२१/०६/४०	शु	२६/११/४२	चं	१२/०३/४५	मं	१५/१२/४६	रा	०९/०८/४८
गु	११/०८/३३	श	१४/०८/३५	बु	१५/०१/३७	के	३०/०५/३८	शु	२०/०८/४०	सू	३०/०४/४३	मं	२५/०५/४५	रा	०५/०१/४७	गु	१२/०१/४९
श	१२/०१/३४	बु	०८/१०/३५	के	०७/०४/३७	शु	२३/०६/३८	सू	१०/०२/४१	चं	१५/०६/४३	रा	१५/०७/४५	गु	०१/०३/४७	श	३०/०५/४९
बु	१४/०७/३४	के	२६/११/३५	शु	१०/०५/३७	सू	३०/०८/३८	चं	०३/०४/४१	मं	३१/०८/४३	गु	२४/११/४५	श	१८/०४/४७	बु	०९/११/४९
के	२५/१२/३४	शु	१७/१२/३५	सू	१५/०८/३७	चं	१९/०९/३८	मं	२९/०६/४१	रा	२४/१०/४३	श	२१/०३/४६	बु	१४/०६/४७	के	०५/०४/५०

बु–सू	बु–चं	बु–मं	बु–रा	बु–गु	बु–श	के–के	के–शु	के–सू
०४/०६/२०५०	११/०४/२०५१	०९/०९/२०५२	०७/०९/२०५३	२६/०३/२०५६	०२/०७/२०५८	११/०३/२०६१	०७/०८/२०६१	०७/१०/२०६२
११/०४/२०५१	०९/०९/२०५२	०७/०९/२०५३	२६/०३/२०५६	०२/०७/२०५८	११/०३/२०६१	०७/०८/२०६१	०७/१०/२०६२	१२/०२/२०६३

सू	०४/०६/५०	चं	११/०४/५१	मं	०९/०९/५२	रा	०७/०९/५३	गु	२६/०३/५६	श	०२/०७/५८	के	११/०३/६१	शु	०७/०८/६१	सू	०७/१०/६२
चं	२०/०६/५०	मं	२४/०५/५१	रा	३०/०९/५२	गु	२४/०१/५४	श	१४/०७/५६	बु	०४/१२/५८	शु	२०/०३/६१	सू	१७/१०/६१	चं	१४/१०/६२
मं	१६/०७/५०	रा	२३/०६/५१	गु	२४/११/५२	श	२८/०५/५४	बु	२२/११/५६	के	२३/०४/५९	सू	१३/०४/६१	चं	०७/११/६१	मं	२४/१०/६२
रा	०३/०८/५०	गु	०९/०९/५१	श	११/०१/५३	बु	२३/१०/५४	के	२०/०३/५७	शु	१९/०६/५९	चं	२१/०४/६१	मं	१३/१२/६१	रा	०१/११/६२
गु	१९/०९/५०	श	१७/११/५१	बु	०९/०३/५३	के	०४/०३/५५	शु	०७/०५/५७	सू	३०/११/५९	मं	०३/०५/६१	रा	०७/०१/६२	गु	२०/११/६२
श	३०/१०/५०	बु	०७/०२/५२	के	३०/०४/५३	शु	२७/०४/५५	सू	२२/०९/५७	चं	१८/०१/६०	रा	१२/०५/६१	गु	१२/०३/६२	श	०७/१२/६२
बु	१८/१२/५०	के	२०/०४/५२	शु	२१/०५/५३	सू	२९/०९/५५	चं	०२/११/५७	मं	०९/०४/६०	गु	०३/०६/६१	श	०७/०५/६२	बु	२७/१२/६२
के	३१/०१/५१	शु	२०/०५/५२	सू	२०/०७/५३	चं	१५/११/५५	मं	१०/०१/५८	रा	०५/०६/६०	श	२३/०६/६१	बु	१४/०७/६२	के	१४/०१/६३
शु	१८/०२/५१	सू	१४/०८/५२	चं	०७/०८/५३	मं	०१/०२/५६	रा	२८/०२/५८	गु	३१/१०/६०	बु	१७/०७/६१	के	१२/०९/६२	शु	२२/०१/६३

के–चं	के–मं	के–रा	के–गु	के–श	के–बु	शु–शु	शु–सू	शु–चं
१२/०२/२०६३	१३/०९/२०६३	०९/०२/२०६४	२७/०२/२०६५	०३/०२/२०६६	१४/०३/२०६७	११/०३/२०६८	११/०७/२०७१	१०/०७/२०७२
१३/०९/२०६३	०९/०२/२०६४	२७/०२/२०६५	०३/०२/२०६६	१४/०३/२०६७	११/०३/२०६८	११/०७/२०७१	१०/०७/२०७२	११/०३/२०७४

चं	१२/०२/६३	मं	१३/०९/६३	रा	०९/०२/६४	गु	२७/०२/६५	श	०३/०२/६६	बु	१४/०३/६७	शु	११/०३/६८	सू	११/०७/७१	चं	१०/०७/७२
मं	०२/०३/६३	रा	२२/०९/६३	गु	०७/०४/६४	श	१३/०४/६५	बु	०८/०४/६६	के	०५/०५/६७	सू	२९/०९/६८	चं	२९/०७/७१	मं	३०/०८/७२
रा	१४/०३/६३	गु	१४/१०/६३	श	२८/०५/६४	बु	०६/०६/६५	के	०४/०६/६६	शु	२६/०५/६७	चं	२९/११/६८	मं	२९/०८/७१	रा	०५/१०/७२
गु	१५/०४/६३	श	०३/११/६३	बु	२८/०७/६४	के	२४/०७/६५	शु	२८/०६/६६	सू	२५/०७/६७	मं	११/०३/६९	रा	१९/०९/७१	गु	०४/०१/७३
श	१४/०५/६३	बु	२७/११/६३	के	२०/०९/६४	शु	१३/०८/६५	सू	०३/०९/६६	चं	१२/०८/६७	रा	२१/०५/६९	गु	१३/११/७१	श	२६/०३/७३
बु	१६/०६/६३	के	१८/१२/६३	शु	१२/१०/६४	सू	०९/१०/६५	चं	२३/०९/६६	मं	११/०९/६७	गु	१९/११/६९	श	०१/०१/७२	बु	३०/०६/७३
के	१६/०७/६३	शु	२६/१२/६३	सू	१५/१२/६४	चं	२६/१०/६५	मं	२७/१०/६६	रा	०३/१०/६७	श	०१/०५/७०	बु	२७/०२/७२	के	२५/०९/७३
शु	२९/०७/६३	सू	२०/०१/६४	चं	०३/०१/६५	मं	२४/११/६५	रा	२०/११/६६	गु	२६/११/६७	बु	१०/११/७०	के	१९/०४/७२	शु	३०/१०/७३
सू	०२/०९/६३	चं	२८/०१/६४	मं	०४/०२/६५	रा	१३/१२/६५	गु	१९/०१/६७	श	१३/०१/६८	के	०१/०५/७१	शु	१०/०५/७२	सू	०९/०२/७४

शु–मं	शु–रा	शु–गु	शु–श	शु–बु	शु–के	सू–सू	सू–चं	सू–मं
११/०३/२०७४	११/०५/२०७५	११/०५/२०७८	०९/०१/२०८१	१०/०३/२०८४	०९/०१/२०८७	१०/०३/२०८८	२८/०६/२०८८	२८/१२/२०८८
११/०५/२०७५	११/०५/२०७८	०९/०१/२०८१	१०/०३/२०८४	०९/०१/२०८७	१०/०३/२०८८	२८/०६/२०८८	२८/१२/२०८८	०४/०५/२०८९

मं	११/०३/७४	रा	११/०५/७५	गु	११/०५/७८	श	०९/०१/८१	बु	१०/०३/८४	के	०९/०१/८७	सू	१०/०३/८८	चं	२८/०६/८८	मं	२८/१२/८८
रा	०५/०४/७४	गु	२३/१०/७५	श	१८/०९/७८	बु	११/०७/८१	के	०४/०८/८४	शु	०३/०२/८७	चं	१६/०३/८८	मं	१३/०७/८८	रा	०४/०१/८९
गु	०८/०६/७४	श	१७/०३/७६	बु	१९/०२/७९	के	२२/१२/८१	शु	०३/१०/८४	सू	१५/०४/८७	मं	२५/०३/८८	रा	२४/०७/८८	गु	२३/०१/८९
श	०४/०८/७४	बु	०६/०९/७६	के	०७/०७/७९	शु	२७/०२/८२	सू	२५/०३/८५	चं	०६/०५/८७	रा	३१/०३/८८	गु	२०/०८/८८	श	०९/०२/८९
बु	१०/१०/७४	के	०८/०२/७७	शु	०२/०९/७९	सू	०८/०९/८२	चं	१६/०५/८५	मं	११/०६/८७	गु	१७/०४/८८	श	१४/०९/८८	बु	०२/०३/८९
के	०९/१२/७४	शु	१३/०४/७७	सू	११/०२/८०	चं	०५/११/८२	मं	१०/०८/८५	रा	०६/०७/८७	श	०१/०५/८८	बु	१३/१०/८८	के	२०/०३/८९
शु	०३/०१/७५	सू	१३/१०/७७	चं	३१/०३/८०	मं	०९/०२/८३	रा	०९/१०/८५	गु	०८/०९/८७	बु	१९/०५/८८	के	०७/११/८८	शु	२७/०३/८९
सू	१५/०३/७५	चं	०७/१२/७७	मं	२०/०६/८०	रा	१८/०४/८३	गु	१३/०३/८६	श	०४/११/८७	के	०३/०६/८८	शु	१८/११/८८	सू	१७/०४/८९
चं	०६/०४/७५	मं	०८/०३/७८	रा	१६/०८/८०	गु	०८/१०/८३	श	२९/०७/८६	बु	१०/०१/८८	शु	१०/०६/८८	सू	१८/१२/८८	चं	२४/०४/८९

सू–रा	सू–गु	सू–श	सू–बु	सू–के	सू–शु	चं–चं	चं–मं	चं–रा
०४/०५/२०८९	२९/०३/२०९०	१५/०१/२०९१	२८/१२/२०९१	०३/११/२०९२	११/०३/२०९३	११/०३/२०९४	०९/०१/२०९५	१०/०८/२०९५
२९/०३/२०९०	१५/०१/२०९१	२८/१२/२०९१	०३/११/२०९२	११/०३/२०९३	११/०३/२०९४	०९/०१/२०९५	१०/०८/२०९५	०८/०२/२०९७

रा	०४/०५/८९	गु	२९/०३/९०	श	१५/०१/९१	बु	२८/१२/९१	के	०३/११/९२	शु	११/०३/९३	चं	११/०३/९४	मं	०९/०१/९५	रा	१०/०८/९५
गु	२३/०६/८९	श	०७/०५/९०	बु	११/०३/९१	के	१०/०२/९२	शु	१०/११/९२	सू	११/०५/९३	मं	०५/०४/९४	रा	२२/०१/९५	गु	३१/१०/९५
श	०६/०८/८९	बु	२२/०६/९०	के	२९/०४/९१	शु	२८/०२/९२	सू	०२/१२/९२	चं	२९/०५/९३	रा	२३/०४/९४	गु	२३/०२/९५	श	१३/०१/९६
बु	२७/०९/८९	के	०३/०८/९०	शु	२०/०५/९१	सू	२०/०४/९२	चं	०८/१२/९२	मं	२८/०६/९३	गु	०८/०६/९४	श	२३/०३/९५	बु	०८/०४/९६
के	१२/११/८९	शु	२०/०८/९०	सू	१७/०७/९१	चं	०६/०५/९२	मं	१९/१२/९२	रा	२०/०७/९३	श	१८/०७/९४	बु	२६/०४/९५	के	२५/०६/९६
शु	०१/१२/८९	सू	०८/१०/९०	चं	०३/०८/९१	मं	०१/०६/९२	रा	२६/१२/९२	गु	१२/०९/९३	श	०४/०९/९४	के	२६/०५/९५	शु	२७/०७/९६
सू	२५/०१/९०	चं	२२/१०/९०	मं	०१/०९/९१	रा	१९/०६/९२	गु	१४/०१/९३	श	३१/१०/९३	के	१८/१०/९४	शु	०७/०६/९५	सू	२६/१०/९६
चं	११/०२/९०	मं	१५/११/९०	रा	२१/०९/९१	गु	०४/०८/९२	श	३१/०१/९३	बु	२८/१२/९३	शु	०४/११/९४	सू	१३/०७/९५	चं	२३/११/९६
मं	१०/०३/९०	रा	०३/१२/९०	गु	१२/११/९१	श	१५/०९/९२	बु	२१/०२/९३	के	१८/०२/९४	सू	२५/१२/९४	चं	२४/०७/९५	मं	०७/०१/९७

चं–गु	चं–श	चं–बु	चं–के	चं–शु	चं–सू	मं–मं	मं–रा	मं–गु
०८/०२/२०९७	१०/०६/२०९८	१०/०१/२१००	११/०६/२१०१	१०/०१/२१०२	११/०९/२१०३	११/०३/२१०४	०७/०८/२१०४	२७/०८/२१०५
१०/०६/२०९८	१०/०१/२१००	११/०६/२१०१	१०/०१/२१०२	११/०९/२१०३	११/०३/२१०४	०७/०८/२१०४	२७/०८/२१०५	०३/०८/२१०६

गु	०८/०२/९७	श	१०/०६/९८	बु	१०/०१/००	के	११/०६/०१	शु	१०/०१/०२	सू	११/०९/०३	मं	११/०३/०४	रा	०७/०८/०४	गु	२७/०८/०५
श	१४/०४/९७	बु	१०/०९/९८	के	२५/०३/००	शु	२३/०६/०१	सू	२१/०४/०२	चं	२०/०९/०३	रा	२०/०३/०४	गु	०४/१०/०४	श	११/१०/०५
बु	३०/०६/९७	के	०१/१२/९८	शु	२४/०४/००	सू	२९/०७/०१	चं	२२/०५/०२	मं	०५/१०/०३	गु	११/०४/०४	श	२४/११/०४	बु	०४/१२/०५
के	०७/०९/९७	शु	०३/०१/९९	सू	१९/०७/००	चं	०८/०८/०१	मं	१२/०७/०२	रा	१६/१०/०३	श	०१/०५/०४	बु	२५/०१/०५	के	२२/०१/०६
शु	०६/१०/९७	सू	१०/०४/९९	चं	१४/०८/००	मं	२६/०८/०१	रा	१६/०८/०२	गु	१२/११/०३	बु	२५/०५/०४	के	२०/०३/०५	शु	११/०२/०६
सू	२६/१२/९७	चं	०९/०५/९९	मं	२६/०९/००	रा	०८/०९/०१	गु	१५/११/०२	श	०६/१२/०३	के	१५/०६/०४	शु	१२/०४/०५	सू	०८/०४/०६
चं	१९/०१/९८	मं	२६/०६/९९	रा	२६/१०/००	गु	१०/१०/०१	श	०५/०२/०३	बु	०४/०१/०४	शु	२४/०६/०४	सू	१४/०६/०५	चं	२५/०४/०६
मं	०१/०३/९८	रा	३०/०७/९९	गु	११/०१/०१	श	०७/११/०१	बु	१२/०५/०३	के	३०/०१/०४	सू	१९/०७/०४	चं	०४/०७/०५	मं	२४/०५/०६
रा	२९/०३/९८	गु	२४/१०/९९	श	२१/०३/०१	बु	११/१२/०१	के	०६/०८/०३	शु	१०/०२/०४	चं	२६/०७/०४	मं	०५/०८/०५	रा	१३/०६/०६

मं–श	मं–बु	मं–के	मं–शु	मं–सू	मं–चं	रा–रा	रा–गु	रा–श
०३/०८/२१०६	१२/०९/२१०७	०८/०९/२१०८	०४/०२/२१०९	०६/०४/२११०	१२/०८/२११०	१३/०३/२१११	२३/११/२११३	१८/०४/२११६
१२/०९/२१०७	०८/०९/२१०८	०४/०२/२१०९	०६/०४/२११०	१२/०८/२११०	१३/०३/२१११	२३/११/२११३	१८/०४/२११६	२३/०२/२११९

श	०३/०८/०६	बु	१२/०९/०७	के	०८/०९/०८	शु	०४/०२/०९	सू	०६/०४/१०	चं	१२/०८/१०	रा	१३/०३/११	गु	२३/११/१३	श	१८/०४/१६
बु	०६/१०/०६	के	०२/११/०७	शु	१७/०९/०८	सू	१६/०४/०९	चं	१२/०४/१०	मं	३०/०८/१०	गु	०८/०८/११	श	२०/०३/१४	बु	३०/०९/१६
के	०२/१२/०६	शु	२३/११/०७	सू	११/१०/०८	चं	०७/०५/०९	मं	२३/०४/१०	रा	११/०९/१०	श	१७/१२/११	बु	०६/०८/१४	के	२४/०२/१७
शु	२६/१२/०६	सू	२२/०१/०८	चं	१९/१०/०८	मं	१२/०६/०९	रा	०१/०५/१०	गु	१३/१०/१०	बु	२२/०५/१२	के	०८/१२/१४	शु	२६/०४/१७
सू	०३/०३/०७	चं	१०/०२/०८	मं	३१/१०/०८	रा	०७/०७/०९	गु	२०/०५/१०	श	१०/११/१०	के	०८/१०/१२	शु	२८/०१/१५	सू	१६/१०/१७
चं	२४/०३/०७	मं	११/०३/०८	रा	०९/११/०८	गु	०९/०९/०९	श	०६/०६/१०	बु	१४/१२/१०	शु	०५/१२/१२	सू	२३/०६/१५	चं	०७/१२/१७
मं	२६/०४/०७	रा	०१/०४/०८	गु	०१/१२/०८	श	०४/११/०९	बु	२६/०६/१०	के	१३/०१/११	सू	१८/०५/१३	चं	०६/०८/१५	मं	०४/०३/१८
रा	२०/०५/०७	गु	२५/०५/०८	श	२१/१२/०८	बु	११/०१/१०	के	१४/०७/१०	शु	२६/०१/११	चं	०६/०७/१३	मं	१८/१०/१५	रा	०४/०५/१८
गु	२०/०७/०७	श	१३/०७/०८	बु	१४/०१/०९	के	१२/०३/१०	शु	२२/०७/१०	सू	०२/०३/११	मं	२७/०९/१३	रा	०८/१२/१५	गु	०७/१०/१८

कृतिकादि अष्टोत्तरी दशा

भोग्य दशा जन्म समय पर: मंगल ३ वर्ष ० मास ७ दिन

ग्रहों की अंतर्दशायें

मं–८ वर्ष	बु–१७ वर्ष	श–१० वर्ष	गु–१९ वर्ष	रा–१२ वर्ष	शु–२१ वर्ष	सू–६ वर्ष	चं–१५ वर्ष	मं–८ वर्ष
०१/०१/२०००	०८/०१/२००३	०८/०१/२०२०	०८/०१/२०३०	०७/०१/२०४९	०७/०१/२०६१	०७/०१/२०८२	०८/०१/२०८८	०८/०१/२१०३
०८/०१/२००३	०८/०१/२०२०	०८/०१/२०३०	०७/०१/२०४९	०७/०१/२०६१	०७/०१/२०८२	०८/०१/२०८८	०८/०१/२१०३	०२/०१/२१०८

मं	00/00/00	बु	०८/०१/०३	श	०८/०१/२०	गु	०८/०१/३०	रा	०७/०१/४९	शु	०७/०१/६१	सू	०७/०१/८२	चं	०८/०१/८८	मं	०८/०१/०३
बु	00/00/00	श	१२/०९/०५	गु	१२/१२/२०	रा	१३/०५/३३	शु	०९/०५/५०	सू	०७/०२/६५	चं	०९/०५/८२	मं	०७/०२/९०	बु	१३/०८/०३
श	00/00/00	गु	१०/०४/०७	रा	१५/०९/२२	शु	२३/०६/३५	सू	०८/०९/५२	चं	०९/०४/६६	मं	१०/०३/८३	बु	२०/०३/९१	श	१५/११/०४
गु	00/00/00	रा	०६/०४/१०	शु	२६/१०/२३	सू	०३/०३/३९	चं	०९/०५/५३	मं	०९/०३/६९	बु	१९/०८/८३	श	२९/०७/९३	गु	१३/०८/०५
रा	00/00/00	शु	२५/०२/१२	सू	०५/१०/२५	चं	२३/०३/४०	मं	०८/०१/५५	बु	२८/०९/७०	श	२९/०७/८४	गु	१८/१२/९४	रा	०९/०१/०७
शु	०१/०१/००	सू	१६/०६/१५	चं	२६/०४/२६	मं	११/११/४२	बु	२९/११/५५	श	१८/०१/७४	गु	१७/०२/८५	रा	०८/०८/९७	शु	०२/०१/०८
सू	१९/०६/०१	चं	२६/०५/१६	मं	१५/०९/२७	बु	०८/०४/४४	श	१८/१०/५७	गु	२९/१२/७५	रा	०९/०३/८६	शु	०९/०४/९९	सू	00/00/00
चं	२८/११/०१	मं	०५/१०/१८	बु	१२/०६/२८	श	०६/०४/४७	गु	२८/११/५८	रा	०८/०९/७९	शु	०८/११/८६	सू	१०/०३/०२	चं	00/00/00

प्रत्यंतर दशा

बु–गु	बु–रा	बु–शु	बु–सू	बु–चं	बु–मं	श–श	श–गु	श–रा
१०/०४/२००७	०६/०४/२०१०	२५/०२/२०१२	१६/०६/२०१५	२६/०५/२०१६	०५/१०/२०१८	०८/०१/२०२०	१२/१२/२०२०	१५/०९/२०२२
०६/०४/२०१०	२५/०२/२०१२	१६/०६/२०१५	२६/०५/२०१६	०५/१०/२०१८	०८/०१/२०२०	१२/१२/२०२०	१५/०९/२०२२	२६/१०/२०२३

गु	१०/०४/०७	रा	०६/०४/१०	शु	२५/०२/१२	सू	१६/०६/१५	चं	२६/०५/१६	मं	०५/१०/१८	श	०८/०१/२०	गु	१२/१२/२०	रा	१५/०९/२२
रा	१९/१०/०७	शु	२२/०६/१०	सू	१७/१०/१२	चं	०५/०७/१५	मं	२३/०९/१६	बु	०८/११/१८	गु	०९/०२/२०	रा	०४/०४/२१	शु	३०/१०/२२
शु	१७/०२/०८	सू	०३/११/१०	चं	२३/१२/१२	मं	२२/०८/१५	बु	२६/११/१६	श	२०/०१/१९	रा	०८/०४/२०	शु	१४/०६/२१	सू	१७/०१/२३
सू	१६/०९/०८	चं	११/१२/१०	मं	०८/०६/१३	बु	१७/०९/१५	श	१०/०४/१७	गु	०३/०३/१९	शु	१६/०५/२०	सू	१७/१०/२१	चं	०९/०२/२३
चं	१६/११/०८	मं	१७/०३/११	बु	०६/०९/१३	श	१०/११/१५	गु	२९/०६/१७	रा	२३/०५/१९	सू	२१/०७/२०	चं	२२/११/२१	मं	०६/०४/२३
मं	१७/०४/०९	बु	०७/०५/११	श	१५/०३/१४	गु	१२/१२/१५	रा	२८/११/१७	शु	१४/०७/१९	सू	०८/०८/२०	मं	१९/०२/२२	बु	०६/०५/२३
बु	०७/०७/०९	श	२४/०८/११	गु	०५/०७/१४	रा	११/०२/१६	शु	०४/०३/१८	सू	११/१०/१९	चं	२४/०९/२०	बु	०७/०४/२२	श	०९/०७/२३
श	२६/१२/०९	गु	२६/१०/११	रा	०२/०२/१५	शु	२०/०३/१६	सू	१९/०८/१८	चं	०५/११/१९	बु	१९/१०/२०	श	१८/०७/२२	गु	१६/०८/२३

भोग्य योगिनी दशा जन्म समय पर: पिंगला १ वर्ष 0 मास ७ दिन

पिंगला–२ वर्ष	धान्या–३ वर्ष	भ्रामरी–४ वर्ष	भद्रिका–५ वर्ष	उल्का–६ वर्ष	सिद्धा–७ वर्ष	संकटा–८ वर्ष	मंगला–१ वर्ष
०१/०१/२०००	०८/०१/२००१	०८/०१/२००४	०८/०१/२००८	०८/०१/२०१३	०८/०१/२०१९	०८/०१/२०२६	०८/०१/२०३४
०८/०१/२००१	०८/०१/२००४	०८/०१/२००८	०८/०१/२०१३	०८/०१/२०१९	०८/०१/२०२६	०८/०१/२०३४	०८/०१/२०३५

पिंगला	00/00/00	धान्या	०८/०१/०१	भ्रामरी	०८/०१/०४	भद्रिका	०८/०१/०८	उल्का	०८/०१/१३	सिद्धा	०८/०१/१९	संकटा	०८/०१/२६	मंगला	०८/०१/३४
धान्या	00/00/00	भ्रामरी	०९/०४/०१	भद्रिका	१९/०६/०४	उल्का	१८/०९/०८	सिद्धा	०८/०१/१४	संकटा	१९/०५/२०	मंगला	१९/१०/२७	पिंगला	१८/०१/३४
भ्रामरी	00/00/00	भद्रिका	०९/०८/०१	उल्का	०८/०१/०५	सिद्धा	१९/०७/०९	संकटा	१०/०३/१५	मंगला	०८/१२/२१	पिंगला	०८/०१/२८	धान्या	०७/०२/३४
भद्रिका	00/00/00	उल्का	०८/०१/०२	सिद्धा	०८/०९/०५	संकटा	१०/०७/१०	मंगला	०९/०७/१६	पिंगला	१७/०२/२२	धान्या	१९/०६/२८	भ्रामरी	१०/०३/३४
उल्का	०१/०१/00	सिद्धा	१०/०७/०२	संकटा	१९/०६/०६	मंगला	१९/०८/११	पिंगला	०८/०९/१६	धान्या	०९/०७/२२	भ्रामरी	१७/०२/२९	भद्रिका	१९/०४/३४
सिद्धा	१८/०२/00	संकटा	०८/०२/०३	मंगला	१०/०५/०७	पिंगला	०९/१०/११	धान्या	०८/०१/१७	भ्रामरी	०८/०२/२३	भद्रिका	०८/०१/३०	उल्का	०९/०६/३४
संकटा	०९/०७/00	मंगला	०९/१०/०३	पिंगला	२०/०६/०७	धान्या	१९/०१/१२	भ्रामरी	०९/०७/१७	भद्रिका	१९/११/२३	उल्का	१८/०२/३१	सिद्धा	०९/०८/३४
मंगला	१८/१२/00	पिंगला	०९/११/०३	धान्या	०९/०९/०७	भ्रामरी	१९/०६/१२	भद्रिका	१०/०३/१८	उल्का	०८/११/२४	सिद्धा	१९/०६/३२	संकटा	१९/१०/३४

पिंगला–२ वर्ष	धान्या–३ वर्ष	भ्रामरी–४ वर्ष	भद्रिका–५ वर्ष	उल्का–६ वर्ष	सिद्धा–७ वर्ष	संकटा–८ वर्ष	मंगला–१ वर्ष
०८/०१/२०३५	०७/०१/२०३७	०८/०१/२०४०	०८/०१/२०४४	०७/०१/२०४९	०८/०१/२०५५	०८/०१/२०६२	०७/०१/२०७०
०७/०१/२०३७	०८/०१/२०४०	०८/०१/२०४४	०७/०१/२०४९	०८/०१/२०५५	०८/०१/२०६२	०७/०१/२०७०	०८/०१/२०७१

पिंगला	०८/०१/३५	धान्या	०७/०१/३७	भ्रामरी	०८/०१/४०	भद्रिका	०८/०१/४४	उल्का	०७/०१/४९	सिद्धा	०८/०१/५५	संकटा	०८/०१/६२	मंगला	०७/०१/७०
धान्या	१८/०२/३५	भ्रामरी	०९/०४/३७	भद्रिका	१९/०६/४०	उल्का	१८/०९/४४	सिद्धा	०८/०१/५०	संकटा	१९/०५/५६	मंगला	१९/१०/६३	पिंगला	१८/०१/७०
भ्रामरी	१९/०४/३५	भद्रिका	०९/०८/३७	उल्का	०७/०१/४१	सिद्धा	१९/०७/४५	संकटा	१०/०३/५१	मंगला	०८/१२/५७	पिंगला	०८/०१/६४	धान्या	०७/०२/७०
भद्रिका	१०/०७/३५	उल्का	०८/०१/३८	सिद्धा	०८/०९/४१	संकटा	०९/०७/४६	मंगला	०९/०७/५२	पिंगला	१७/०२/५८	धान्या	१८/०६/६४	भ्रामरी	०९/०३/७०
उल्का	१९/१०/३५	सिद्धा	०९/०७/३८	संकटा	१९/०६/४२	मंगला	१९/०८/४७	पिंगला	०८/०९/५२	धान्या	०९/०७/५८	भ्रामरी	१७/०२/६५	भद्रिका	१९/०४/७०
सिद्धा	१८/०२/३६	संकटा	०७/०२/३९	मंगला	१०/०५/४३	पिंगला	०९/१०/४७	धान्या	०७/०१/५३	भ्रामरी	०७/०२/५९	भद्रिका	०८/०१/६६	उल्का	०९/०६/७०
संकटा	०९/०७/३६	मंगला	०९/१०/३९	पिंगला	१९/०६/४३	धान्या	१८/०१/४८	भ्रामरी	०९/०७/५३	भद्रिका	१८/११/५९	उल्का	१७/०२/६७	सिद्धा	०९/०८/७०
मंगला	१८/१२/३६	पिंगला	०८/११/३९	धान्या	०८/०९/४३	भ्रामरी	१८/०६/४८	भद्रिका	०९/०३/५४	उल्का	०७/११/६०	सिद्धा	१८/०६/६८	संकटा	१९/१०/७०

काल चक्र की प्रथम दशा

दशा के कुल वर्ष	: ८५ वर्ष
काल चक्र	: ३ वर्ष ७ मास २० दिन
भोग्य मिथुन–बुध	: ३ वर्ष ७ मास २० दिन
नक्षत्र तथा चरण	: स्वाति २
देह	: मकर
जीव	: मिथुन

काल चक्र की द्वितीय दशा

दशा के कुल वर्ष	: ८३ वर्ष
देह	: वृषभ
जीव	: मिथुन

राशिकी अंतर्दशा

मि–९ वर्ष		वृष–१६ वर्ष		मे–७ वर्ष		मी–१० वर्ष		कु–४ वर्ष		म–४ वर्ष		ध–१० वर्ष		मे–७ वर्ष		वृष–१६ वर्ष	
०१/०१/२०००		२२/०८/२००३		२२/०८/२०१९		२२/०८/२०२६		२१/०८/२०३६		२१/०८/२०४०		२१/०८/२०४४		२२/०८/२०५४		२१/०८/२०६१	
२२/०८/२००३		२२/०८/२०१९		२२/०८/२०२६		२१/०८/२०३६		२१/०८/२०४०		२१/०८/२०४४		२२/०८/२०५४		२१/०८/२०६१		२१/०८/२०७७	
मि	००/००/००	वृष	२२/०८/०३	मे	२२/०८/१९	मी	२२/०८/२६	कु	२१/०८/३६	म	२१/०८/४०	ध	२१/०८/४४	मे	२२/०८/५४	वृष	२१/०८/६१
म	००/००/००	मे	२२/०९/०६	मी	२५/०३/२०	कु	०५/११/२७	म	३१/१०/३६	ध	३१/१०/४०	मे	०४/११/४५	वृष	२५/०३/५५	मि	२१/०९/६४
कु	००/००/००	मी	२८/०१/०८	कु	२७/०१/२१	म	२९/०४/२८	ध	०९/०१/३७	मे	२५/०४/४१	वृष	०८/०९/४६	मि	३०/०७/५६	वृष	१७/०६/६६
मी	००/००/००	कु	०१/०१/१०	म	३०/०५/२१	ध	२२/१०/२८	मे	०४/०७/३७	वृष	२६/०८/४१	मि	१२/०८/४८	वृष	०३/०५/५७	मे	१७/०७/६९
वृ	००/००/००	म	०९/१०/१०	ध	३०/०९/२१	मे	०५/०१/३०	वृष	०४/११/३७	मि	०४/०६/४२	वृष	१२/०९/४९	मे	०८/०९/५८	मी	२२/११/७०
तु	००/००/००	ध	१८/०७/११	मे	०४/०८/२२	वृष	०९/११/३०	मि	१३/०८/३८	वृष	०९/११/४२	मे	१८/०८/५१	मी	१२/०४/५९	कु	२६/१०/७२
क	०१/०१/००	मे	२१/०६/१३	वृष	०८/०३/२३	मि	१३/१०/३२	वृष	१८/०१/३९	मे	१८/०८/४३	मी	२१/०६/५२	कु	१४/०२/६०	म	०४/०८/७३
कर्क	२०/११/००	वृष	२७/१०/१४	मि	१३/०७/२४	वृष	१३/११/३३	मे	२७/१०/३९	मी	१९/१२/४३	कु	०४/०९/५३	म	१६/०६/६०	ध	१२/०५/७४
सिं	१०/०२/०३	मि	२६/११/१७	वृष	१६/०४/२५	मे	१८/१०/३५	मी	२७/०२/४०	कु	१२/०६/४४	म	२७/०२/५४	ध	१७/१०/६०	मे	१५/०४/७६

जन्मकुण्डली में योग

भारतीय ज्योतिष के अनुसार आपकी जन्मकुण्डली में जो योग बनते हैं वे नीचे दिए गए हैं। उन योगों के निर्माता ग्रह भी जिन्हें योग कारक कहते हैं, नीचे दिए गए हैं। ये योग अपने–अपने योग कारक ग्रहों की महादशा तथा अन्तर्दशा के समय फल देते हैं। फल देने में योग की प्रबलता का निर्धारण इस आधार पर किया जाता है कि योग कारकों की संख्या कितनी है और वे कितने प्रबल हैं। इसका विवरण भी नीचे दिया गया है। कभी–कभी परस्पर विरोधी योग या एक दूसरे के विपरीत फल देने वाले योग भी जन्मकुण्डली में घटित होते हैं। सामान्यतः इसका अर्थ यह है कि एक योग के शुभ प्रभाव को दूसरे योग का अशुभ प्रभाव निष्फल या शून्य बना देता है और इसलिए मिले–जुले या सामान्य फल ही प्राप्त होते हैं।

ग्रहः	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
बलः	२१	३५	३३	५४	४६	५६	१९	६२	६२

१ पाश योग

पाशे बंधनभाजः कार्ये दक्षाः प्रपंचकराश्च।
बहुभाषिणो विशीला बहुभृत्याः सम्प्रतानाश्च।।

पाश योग में जन्म लेने के फलस्वरूप आप कार्य में चतुर होंगे। आपके अनेक नौकर चाकर होंगे किंतु आप कभी कभी छल कपट और अनैतिक व्यवहार करेंगे। आपकी स्वतंत्रता सीमित हो सकती है।

योग कारकः सू चं मं बु गु शु श

२ गजकेसरी योग

गजकेसरी संजातस्तेजस्वी धनवानन भवेतत।
मेधावी गुणसम्पन्नो राजप्रियकरो नरः।।

गजकेसरी योग में जन्म लेने के फलस्वरूप आप धनी, मेधावी, गुणी और सत्ताधिकारियों का प्रिय आचरण करने वाले होंगे।

योग कारकः चं गु

३ पारिजात योग

मध्यान्तसौख्यः क्षितिपालवन्द्यो युद्धप्रियो वारणवाजियुक्तः।
स्वकर्मधर्माभिरतो दयालुर्योगो नृपः स्याद्यदि पारिजातः।।

पारिजात योग में जन्म लेने के फलस्वरूप मध्य और अन्तिम अवस्था में आपका जीवन सुखी होगा। आपको राज्य अथवा सत्तावान व्यक्तियों से सम्मान प्राप्त होगा तथा आप अनेक वाहनों से युक्त, युद्धप्रिय, दयालु होंगे और आप धर्म कर्म में संलग्न रहेंगे।

योग कारकः मं श

४ दरिद्र योग

धनाधिपो यदा षष्ठे मृत्यभेऽप्यथवा व्यये।
सक्रूरं धनभं चैव निर्धनो खलु मानवः।।

दरिद्र योग में जन्म लेने के फलस्वरूप आपको संपत्ति की हानि के कारण धनाभाव सहन करना पड़ सकता है।

योग कारकः सू बु गु

५ त्रिंशाब्दर्षात्पदंसुखयोग

लग्नेशस्यांशनाथे केन्द्र कोणेच्चसंयुते।
लाभे वा बलसंयुक्ते त्रिशब्दर्षात्परं सुखमम।।

आपकी कुंडली में ग्रहों की स्थिति से संकेत मिलता है कि जीवन के ३०वें वर्ष के बाद आपकी भाग्य वृद्धि होगी और सुख प्राप्त होगा।

योग कारकः मं

६ राज योग

यत्र कुत्रापि संयुक्तौ तौ वापि समसप्तमौ।
राजवंशोददभवो बालो राजा भवति निश्चितमम।।

राज योग में जन्म लेने के फलस्वरूप आपका जन्म संपन्न परिवार में हुआ होगा तथा आप स्वयं भी धन संपत्ति अधिकार से युक्त होंगे।

योग कारकः चं गु

७ राजवृत्ति योग

अर्थाप्तिं कथयेद्विलग्नशिनोर्मध्ये बली यस्ततः
कर्मेशस्थनवांशराशिपवशाद्वृत्तिं जगुस्तद्विदः।
भैषज्योर्णतृणाम्बुधान्यकनकव्यापारमुक्तादिकै–

रन्योन्यागमदूतवृत्तिभिरिनस्यांशे तु जीवत्यसौ।।

आप राज्य के प्रतिष्ठान में कार्य के द्वारा, स्वर्ण माणिक्यादि से संबंधित कार्य द्वारा, ऊन उद्योग, खनन उद्योग, टकसाल आदि से संबंधित कार्यों से विशेष जीविका अर्जित कर सकते हैं।

योग कारकः सू

८ निःस्व योग

सुवचनशून्यो विफलकुटुम्बः कुजनसमाजः कुदशनचक्षुः।
मतिसुतविद्याविभवविहीनो रिपुहृतवित्तःप्रभवति निःस्वे।।

इस योग में जन्म लेने के फलस्वरूप आपको अपने कुटुम्ब में व्यक्तियों का अभाव खटकता रहेगा और आप अवांछनीय व्यक्तियों की संगति में पड़ सकते हैं जिससे धन का नाश हो सकता है।

योग कारकः सू बु गु श

९ पामर योग

दुःखजीव्यनृतवागविवेकी वंचको मृतसुतोऽप्यनपत्यः।
नास्तिकोऽल्पकुजनं भजतेऽसौ घस्मरे भवति पामरयोगे।।

इस योग में जन्म लेने के फलस्वरूप आप सामाजिक मान्यताओं के विपरीत आचरण करेंगे, पिता के प्रति कर्तव्यों की उपेक्षा करेंगे और आपको संतान सुख का अभाव रह सकता है।

योग कारकः गु श

१० पापकत्री योग

निःस्वोऽशु चिर्विसुखदारसुतोऽगंहीनः।
स्यात्पापकर्तरिभवोऽचिरमायुरेति।।

पापकत्री योग में जन्म लेने के फलस्वरूप आपको जीवन में संघर्ष करना पड़ेगा, आर्थिक कठिनाईयों का सामना करना पड़ेगा और आपकी आयु को भी खतरा रहेगा।

योग कारकः सू चं बु

११ द्रव्यहीन योग

कोशाधीशः स्वराशौसुरगुरूसहितः सर्वसम्पत्प्रदः स्यातत।
केन्द्रे वाथ त्रिके चेदभवति हि मनुजः क्लेशभाग्द्रव्यहीनः।।

द्रव्यहीन योग में जन्म लेने के फलवरुप आपको जीवन में संघर्ष करना पड़ सकता है और आर्थिक कठिनाइयों का भी सामना करना पड़ सकता है।

योग कारकः गु

१२ मूकत्व योग

वाक्यस्थानेशो गुरूर्वा व्ययरिपुविलयस्थानगो वाग्विहीन–
श्चैवं पित्रादिकानां पतय इह युता मूकता स्याच्च ताभ्यामम।

मूकत्व योग में जन्म लेने के फलस्वरूप आप मनोभावों की अभिव्यक्ति की असमर्थता से ग्रस्त रहेंगे।

योग कारकः गु

१३ क्लीब योग

स्यादार्तिः पंचशाखे तदनुदशभगे सूर्यसूनौ सिताढढये
क्लीबः स्यात्सूर्यसूनौ व्ययीरिपुगृहगे शुक्रतः क्लीबरूपः।

आपकी कुंडली में ग्रहों की स्थिति से निर्मित इस योग में जन्म लेने के फलस्वरूप आपमें कामवासना के प्रति उदासीनता आ सकती है।

योग कारकः शु श

१४ अखण्ड साम्राज्य योग

लाभेशधर्मेशधनेश्वराणामेकोऽपि चन्द्रग्रहकेन्द्रवर्ती।
स्वपुत्रलाभाधिपतिर्गुरूश्चेद अखण्डसाम्राज्यपतित्वमेति
वर्षे षोडश सम्प्राप्ते राजयोगं विनिर्दिशेतत।।

अखण्ड साम्राज्य योग में जन्म लेने के कारण आप धन, संपत्ति, ऐश्वर्य से युत होंगे और १६ वर्ष की अवस्था के बाद आपका प्रबल भाग्योदय होगा।

योग कारकः चं गु

१५ षष्ठेश सुखेशदैन्य योग

मूर्खः स्थादपवादको दुरितकृन्नित्यं सपत्नार्दितः।
क्रूरोक्तिः किलदैन्यजश्चलमतिर्विच्छिन्नकार्योद्यमः।।

इस योग में जन्म लेने के फलस्वरूप आप पारिवारिक कलह एवं लम्बी बीमारी के कारण दुखी रह सकते हैं। चोरी तथा वाहन दुर्घटना का भय रहेगा।

योग कारकः मं श

१६ सार्वभौम राज योग

वदिधाति सार्वभौमं लग्नांशपतिः स्वतुंगः केन्द्रे।
नृपतिं लग्नाधिर्जन्मधिपतिर्धनसमृद्धमम ।।

आप प्रतिभा संपन्न, प्रतिष्ठित एवं उद्यमी व्यक्ति होंगे। आप किसी प्रतिष्ठान अथवा सत्ता में उच्च स्थान प्राप्त करेंगे। आप अधिकार संपन्न होंगे। आपके अधीनस्थ कई व्यक्ति कार्य करेंगे ।
योग कारकः चं मं शु

१७ देहस्थौल्य योग

लग्ने जलर्क्षे शुभखेचरेन्द्रैर्युक्ते नुतस्थौल्यमुदाहरंति।
लग्नाधिपस्तोयखवगो बलाढढयः सौम्यान्वितश्चेत्तनुपुष्टिमोहुः।।

देहस्थौल्य योग में जन्म लेने के फलस्वरूप आपका शरीर पुष्ट और स्वस्थ रहेगा। आपका शरीर स्थूल हो सकता है।
योग कारकः शु

१८ शरीरसौख्य योग

लग्नाधिपोऽथ जीवो वा शुक्रो वा यदि केन्द्रगः।
स जातो धनवांल्लोके दीर्घायुर्राजवल्लभः।।

शरीर सौख्य योग में जन्म लेने के फलस्वरूप आप धनी तथा दीर्घायु होंगे और राज्य का अनुग्रह प्राप्त करेंगे।
योग कारकः मं शु

१९ बुधादित्य योग

सेवाकृदस्थिरधनो रविज्ञयोः प्रियवचा यशोर्थः स्यातत।
आर्यः क्षितिर्पादयितः संता च बलरूपवित्तविद्यावानन।।

आप अत्यंत चतुर, सभी कार्यों में कुशल, कीर्तिवान, प्रतिष्ठित और सभी प्रकार की सुख सुविधाओं से युत होंगे।
योग कारकः सू बु

२० दुर्मुख योग

पापैर्युते मुखस्थाने तन्नाथे पापसंयुते।
नीचराशिगते वापि दुर्मुखः पापवीक्षिते।।

दुर्मुख योग में जन्म लेने के फलस्वरूप आपका मुख अनाकर्षक हो सकता है अथवा उसमें कोई विकृति हो सकती है।
योग कारकः सू चं बु गु श

२१ श्राद्धान्नभुक्त योग

भुक्तिस्थानाधिपे मन्दे तदीशे वाऽर्किसंयुते।
नीचेऽर्कसूनुना दृष्टे श्राद्धभुकक सततं नरः।।

श्राद्धान्नभुक्त योग में जन्म लेने के फलस्वरुप आप प्रायः श्राद्ध के निमित्त बनाया हुआ भोजन ग्रहण करेंगे।
योग कारकः गु श

२२ कपट योग

हृदये पापसंयुक्ते पापदृष्टे तदीश्वरे।
पापांतरे वा हृदये हृत्कापटटयं विनिर्दिशेत।।

आप अपनी दुर्बलता छिपाने के लिए असत्य का सहारा लेंगे और कार्य सिद्धि के लिए व्यावहारिकता का त्याग करेंगे।
योग कारकः चं मं श

२३ एकपुत्र योग

पुत्रेशांशपतिः स्वभांशकगतो यद्येक पुत्रं वदेतत।

आपकी कुंडली में ग्रहों की स्थिति के फलस्वरुप आपकी एक संतान होने की संभावना है।
योग कारकः मं गु

२४ भगचुम्बन योग

जातः समेति भगचुम्बनमस्तनाथे
शुक्रेण वीक्षितयुते भृगुमन्दिरे वा।
एवं कुटुम्बभवनाधिपतौ तथा स्याददं
दारर्क्षगे दशमपे ससिते तथैव।।

यह योग आपको अत्यधिक कामुक प्रकृति का बनाएगा। फलतः आप अनेक प्रकार के विचित्र आचरण करेंगे।

योग कारकः शु

२५ दन्त विकार योग

सप्तमे क्रूरसंदृष्टाः क्रूरा दन्तविकारदाः।
पापैर्दृष्टे गौऽजचापलग्ने विकृतदन्तवानन।।

इस योग के प्रभाव से आपके दांत विकार ग्रस्त रहेंगे। अतः यह योग स्वास्थ के लिए शुभ नहीं है।
योग कारकः चं मं बु शु

२६ अर्श योग :

भूमीपुत्रे शशिरवियुते दर्शपूर्णेष्टकाले
मन्देऽन्त्यस्थे कुजतनुभुजोर्योगतोऽस्तदृशा वा।
भौमे चालौ गुरुसितदशा वर्जितेऽतीव लग्ने
मूर्तौ मन्दे कुजयुजि मदे सम्यगर्शोविकारः।।
क्रूरे विनाशनाथे मदगे शुभदृष्टिवर्जितेऽर्शो रुकक
अन्हहयस्तगृहे मन्दे चालौ पुण्ये सभूमिसुते।।

इस योग के प्रभाव से आप अर्श अथवा बवासीर रोग से ग्रस्त हो सकते हैं। अतः यह योग स्वास्थ के लिए शुभ नहीं है।
योग कारकः मं गु शु

२७ व्रण योग

भूपुत्रे गुरुसितदृष्टिवर्जितेऽलौ
जायन्ते व्रणपिटकास्तनौ विशेषातत।
भुव्यस्मिन्नथ च तदंशके सपुच्छे
मन्दे चास्तयुजि तथा द्वयोर्व्ययेऽरौ।।

इस योग के प्रभाव के कारण आपको घाव और फोड़े हो सकते हैं। अतः यह योग आपके स्वास्थ्य के लिए शुभ नहीं है।
योग कारकः मं

२८ शरीर काश्र्य योग

चन्द्रं विरुपदृष्टय्या यदि पश्येच्छनैश्चरः।
निष्प्राणश्च तदा जन्तुः सदा जीवनन भवेदयमम।।

आपकी कुंडली में ग्रहों की स्थिति से निर्मित इस योग के प्रभाव के कारण आपका शरीर दुर्बल होगा।
योग कारकः चं श

२९ त्रिंशद्वर्षात्परं सौख्य योग

लग्नेशस्थांशनाथे तु केन्द्रकोणोच्चसंयुते।
लाभेशे वा तथा युक्ते त्रिंशद्वर्षात्परं सुखमम।।

इस योग के प्रभाव के कारण आपको ३० वर्ष की आयु के बाद जीवन के अनेक सुख प्राप्त होंगे और सफलता प्राप्त होगी।
योग कारकः मं

३० नेत्र रोग योग

नेत्रेश्वरस्यांशपतौ सपापे पाग्रहक्षेत्रगते तथैव।
नेत्राधिपे वासरनायके तु घरासुते वा गुलिकार्कदृष्टे।।

यह योग आपके नेत्रों को प्रभावित करेगा।फलतः इस योग में जन्म लेने के फलस्वरुप आप नेत्र रोग से ग्रस्त होंगे।
योग कारकः मं गु

३१ कुटुंब संरक्षण योग

कुटुम्बराशेरधिपे ससौम्ये केंद्रस्थिते स्वोच्चसुहृददगृहे वा।
सौम्यर्क्षयुक्ते यदि जातपुण्यः कुटुम्बसंरक्षणवाग्विलासः।।

इस योग में जन्म लेने के फलस्वरुप आपकी वाणी आकर्षक होगी और आप अपने संबंधियों और अन्य व्यक्तियों की सहायता में तत्पर रहेंगे।
योग कारकः गु

३२ सद्यो धन लाभ योग

सद्यो धनी धनेशेन कर्मनाथो युतो यदि।
कर्मेशस्थांशपतिना लाभनाथस्तथा विदुः।।

आपकी कुंडली में ग्रहों की स्थिति से निर्मित इस योग के फलस्वरुप आपको आकस्मिक धन की प्राप्ति होगी।
योग कारकः सू बु

३३ ऋणदाता योग

वित्तलाभपसंयुक्तस्त्रयंशकेशनवांशपः।
वैशेषिकः कंद्रकोणे ऋणदाता भवेन्नरः।।

आपकी कुंडली में ग्रहों की स्थिति से निर्मित इस योग के फलस्वरुप आप मुद्रा के लेनदेन से धन अर्जित करेंगे।
योग कारकः मं बु गु

३४ कर्ण रोग योग

पापान्विते पापनिरीक्षिते वा वदंति कर्णोद्दभवरोगमत्र।
क्रूरादिष्टटयंशयुते तदीशे कर्णस्य रोगं रोग कथयंति तज्ज्ञाः।।

आपकी कुंडली में ग्रहों की स्थिति से निर्मित इस योग के प्रभावस्वरुप आपको कान का रोग हो सकता है।
योग कारकः श

३५ क्षेत्रादिनाश योग

क्षेत्रेश्चरे नीचगते विमूढे पापांतरे पापनिरीक्षिते वा।
पापग्रहक्षेत्रगतेरिगेहे क्षेत्रादिनाशं कथयंति तज्ज्ञाः।।

आपकी कुंडली में ग्रहों की स्थिति से निर्मित इस योग के फलस्वरुप आपकी सम्पत्ति का नाश होने का भय है।
योग कारकः चं श

३६ क्षेत्रादिनाश योग

क्रूरादिषष्टटयंशगते तदीशे क्षेत्रे सपापे यदि नीचभे वा।
दुःस्थेरिगेहे त्वतिभीषणांशे क्षेत्रादिनाशं कथयंति तज्ज्ञाः।।

आपकी कुंडली में ग्रहों की स्थिति से निर्मित इस योग के फलस्वरुप आपकी सम्पत्ति का नाश होने का भय है।
योग कारकः श

३७ राजाज्ञात्क्षेत्र नाश योग

आज्ञाक्षयाददभूमिविनशमेति राज्येशतत्कारकभूमिनाथे।
क्रूरांशके वा त्ववरोहभागे नाशस्थिते मृत्युयमादिभागे।

आपकी कुंडली में ग्रहों की स्थिति से निर्मित इस योग के फलस्वरुप आपको राजाज्ञा के फलस्वरुप सम्पत्ति की हानि हो सकती है।
योग कारकः सू मं

३८ सुतक्षय योग

क्रूरांशे पुत्रभावेशे नीचमूढसमन्विते।
पापैर्दृष्टेऽथ वा दुःस्थे पुत्रनाशं वदेत्तदा।

आपकी कुंडली में ग्रहों की स्थिति से निर्मित यह योग आपके पुत्र की आयु पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है अथवा आपको पुत्रसुख से वंचित कर सकता है।
योग कारकः चं गु

३९ पुत्रार्ति योग

व्ययेशसंयुतांशेशत्रत्रयंशनाथसमन्विते।

आपकी कुंडली में ग्रहों की स्थिति से निर्मित इस योग के कारण आपके पुत्र को भारी कष्ट उठाना पड सकता है।
योग कारकः बु गु शु

४0 पराभव योग

रन्ध्रेशे पापसंयुक्ते पापदृष्टे तदन्तरे।
पापक्षेत्रेथ वा रन्ध्रे जातः परिभवान्वितः।।

आपकी कुंडली में ग्रहों की स्थिति से निर्मित इस योग के फलस्वरुप आप प्रायः अपने प्रयत्नों में विफल होंगे।
योग कारकः बु

४१ पितृदुःख योग

पितृस्थानेश्वरांशेशसंयुक्तनवभागपः।।
क्रूरनीजारिभागस्थपितृदुःखं विनिर्दिशेतत।।

आपकी कुंडली में ग्रहों की स्थिति से निर्मित इस योग के कारण आपके पिता के लिए कठिनाई हो सकती है।
योग कारकः सू चं श

४२ स्त्रीहेतोर्द्धननाश योग

व्ययेशे दारनाथेन बलहीनेन तेन तु।
दृष्टे युते वा क्रूरांशे स्त्रीहेतोर्द्धननाशनमम।।

आपकी कुंडली में ग्रहों की स्थिति से निर्मित इस योग में जन्म लेने के फलस्वरुप स्त्री के कारण आपके धन का नाश होने की संभावना है।
योग कारकः शु

४३ धनसम्पन्न राज योग

विद्धाति सार्वभौमं लग्नांशपतिः स्वतुंगगः केन्द्रे।
नृपतिं लग्नाधिपतिर्जन्माधिपतिर्धनसमृद्धमम।।

आपकी कुंडली में ग्रहों की स्थिति से निर्मित इस योग के कारण आप विपुल धन सम्पन्न होंगे और विस्तृत क्षेत्र पर आपका प्रभाव होगा।
योग कारकः चं मं शु

४४ दीर्घायु योग

कर्मेश्वरेणापि विचिन्यमायुदीर्घ सुहत्स्वोच्च युतेन तेन।
केन्द्र स्थितै कर्म विलग्न रन्ध्र नाथैस्थै वायुरुदाहरन्ति।।

आपकी कुंडली में ग्रहों का यह योग विशेष रुप से आपकी आयु को बल प्रदान करता है। अतः आपकी आयु दीर्घ होने का संकेत मिलता है।
योग कारकः सू

४५ अयत्नगृहप्राप्ति योग

लग्नेश्वरे लग्नगते सुखांगनाथेन युक्ते यदि गेहलाभः।
अयत्नतः स्याच्छुभदृष्टियोगात्स्वोच्चे स्वगृहे बलाढढये।।

आपकी कुंडली में ग्रहों की स्थिति से निर्मित इस योग के कारण आपको बिना प्रयत्न के ग्रह प्राप्त होगा।
योग कारकः गु श

४६ शुक्र सुनफा योग

स्त्रीक्षेत्रगृहपतिश्चतुष्पदाढढयः सुविक्रमो भवति।
नृपसत्कृतः सुवेषो दक्षःशुक्रेण सुनफायामम।।

शुक्र सुनफा योग में जन्म लेने के फलस्वरूप आप भूसंपति और भवन आदि से युत और राज्य द्वारा सम्मानित होंगे और पशुपालन का व्यवसाय कर सकते हैं।
योग कारकः चं शु

४७ पर्वत योग

भाग्यवान पर्वतोत्पन्नः वाग्मी दाता च शास्त्रवितत।
हास्यप्रियो यशस्वी च तेजस्वी पुननायकः।।

पर्वत योग में जन्म लेने के फलस्वरूप आप धनवान, दानशील, शास्त्रज्ञ, हास्यप्रिय, ख्यातिवान, तेजस्वी और समाज में प्रतिष्ठित होंगे।
योग कारकः शु

४८ शुक्रवासि योग

बहुसंचयी विनतदृक वोशौ पुरूषो भवेदद्गुरोर्जातः।
भीरू कामविलीनो लघुचेष्टो भृगुसुते पराधीनः।।

इस योग में जन्म लेने के फलस्वरूप आप अधिक उपक्रमशील नहीं होंगे और विषय भोग में अधिक संलग्न रहेंगे।
योग कारकः सू शु

४९ पितृसौख्य योग

सौम्यतांरस्थे तन्नाथे गुरुशुक्रयुतेक्षिते।
तेषामेकेन संयुक्ते पितृसौख्यं विनिर्दिशेतत।।

आपकी कुंडली में ग्रहों की स्थिति से निर्मित इस योग में जन्म लेने के फलस्वरुप आपके पिता दीर्घायु होंगे और उनसे आपको लाभ प्राप्त होगा।
योग कारकः चं गु

५० जंघा विकृति योग

मन्दः कुजस्त्वगुयुतो रिपुभावगोऽर्को।
जंघा विकल्पमथ षष्ठशनौ व्ययेऽथ।।

आपकी कुंडली में ग्रहों की स्थिति से निर्मित इस योग में जन्म लेने के फलस्वरूप आपके पैर अथवा जंघा में विकृति हो सकती है।
योग कारकः चं श

५१ देहवैकल्य योग

बलहीने तु रिष्फेशे क्रूराश्यंशकेपि वा।
नीचांशे नीचराशौ वा देहे वैकल्यमादिशेतत।।

आपकी कुंडली में ग्रहों की स्थिति से निर्मित इस योग में जन्म लेने के फलस्वरुप आपके शरीर का कोई अंग क्षतिग्रस्त हो सकता है।

योग कारकः शु

HOROSCOPES RECOMENDED FOR YOU

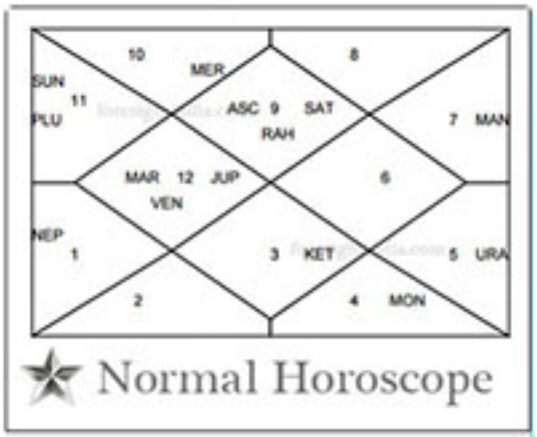

C1 Basic-Horoscope

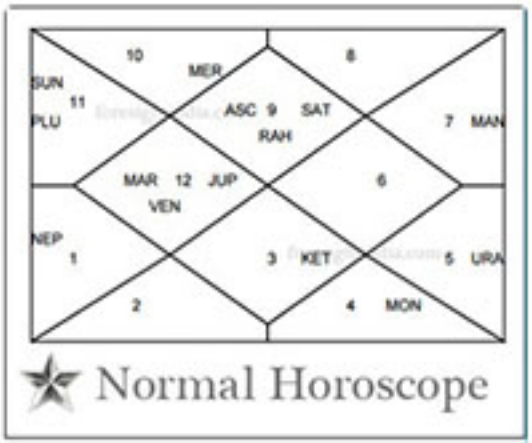

C2 Detailed-Horoscope

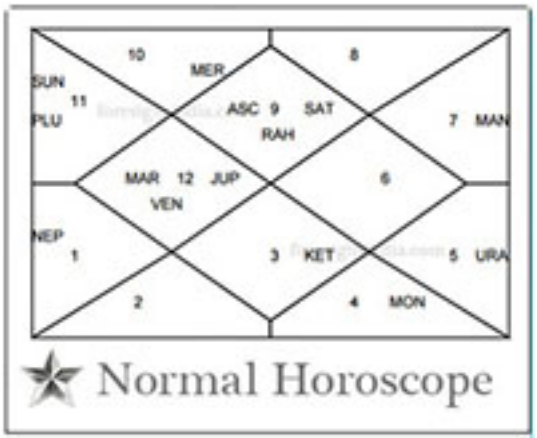

C3 Exhaustive-Horoscope

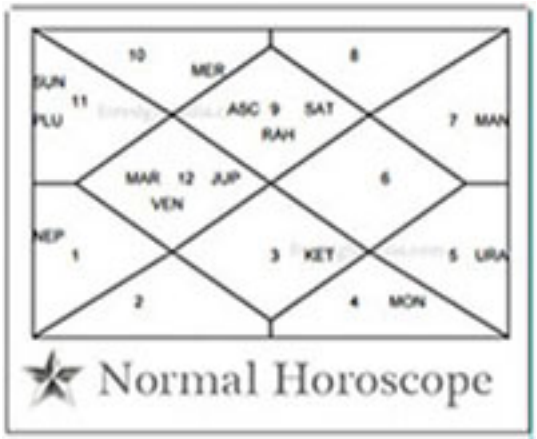

P1 Basic-Prediction

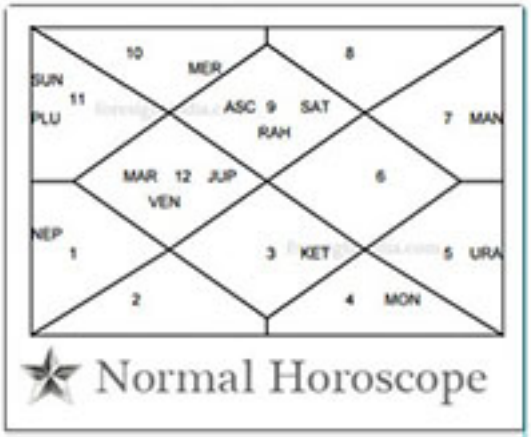

P2 Detailed-Prediction

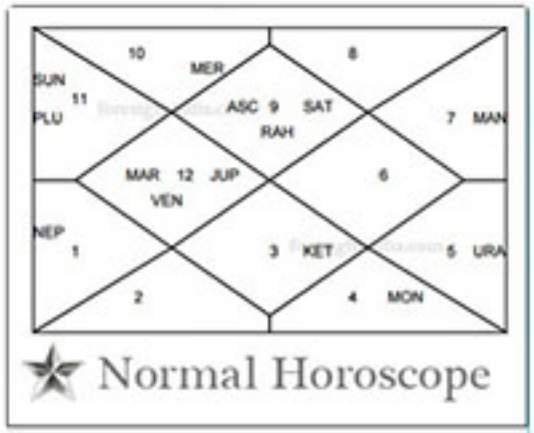

P3 Exhaustive-Prediction